शुभम्

2024-25

दृढ़ता
से
सफलता
की ओर
अग्रसर

(Estd. in 1966)

आर्य कन्या पाठशाला डिग्री कॉलिज

(सम्बद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ)

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत

समाज कल्याण विभाग द्वारा

प्रतिभावान, मेधावी व लगनशील एवं परिश्रमी सभी संवर्गों के छात्र-छात्राओं को विभिन्न परिक्षाओं हेतु

निःशुल्क कोचिंग

- IAS/PCS
- NEET
- JEE
- NDA/CDS

उन्नत भारत अभियान
UNNAT BHARAT ABHIYAN

उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत

खुर्जा के अंगीकृत गाँव

- इस्माइलपुर बुढ़ैना
- ढांकर निजामपुर
- सीकरी
- धरांऊ
- नगला महीउद्दीनपुर

कॉलिज में संचालित स्वरोजगार पाठ्यक्रम

• बागबानी	- NURSERY
• डेयरी व केचुआ द्वारा खाद बनाना	- DAIRY & VERMI COMPOSTING
• मशरूम की खेती	- MUSHROOM CULTIVATION
• फास्ट फूड बनाना	- FAST FOOD MAKING
• कृत्रिम आभूषण बनाना	- ARTIFICAL JEWELLERY MAKING
• टेडीबियर बनाना	- TEDDY BEAR MAKING
• टेलरिंग	- TAILORING TRAINING
• ब्यूटी पार्लर	- BEAUTY PARLOUR

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ – 226 027

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आर्य कन्या पाठशाला डिग्री कॉलेज, खुर्जा बुलन्दशहर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका ''शुभम्'' 2025 का प्रकाशन किया जा रहा है। देश, समाज और परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए बालिकाओं को शिक्षित करना अत्यन्त आवश्य है। मैं आशा करती हूँ कि प्रकाश्य पत्रिका में ऐसी ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सामग्री का समावेश किया जायेगा, जो छात्राओं के बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने एवं नई दिशा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

लोकभवन
लखनऊ – 226 001

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि आर्य कन्या पाठशाला डिग्री कॉलेज, खुर्जा बुलन्दशहर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका "शुभम्" का प्रकाशन किया जा रहा है। राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षण संस्थान विद्यार्थी में योग्य नागरिक बनने के संस्कारों को पोषित और पल्लवित करते हैं। विद्यार्थियों में रचनात्मक प्रतिभा के विकास के लिए पाठ्येत्तर क्रिया–कलापों का विशेष महत्व होता है। इसके दृष्टिगत महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन सराहनीय है। मुझे आशा है कि पत्रिका में छात्राओं के लिए उपयोगी सामग्री का संकलन किया जायेगा।

वार्षिक पत्रिका "शुभम्" के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

(योगी आदित्यनाथ)

डॉ. महेश शर्मा
सांसद–लोक सभा
गौतम बुद्व नगर उत्तर प्रदेश

अध्यक्ष – आवास समिति
लोकसभा

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आर्य कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय खुर्जा जनपद बुलंदशहर के द्वारा वार्षिक पत्रिका शुभम् का प्रकाशन होने जा रहा है। मैं आशा व विश्वास करता हूं कि पत्रिका के माध्यम से मिलने वाली जानकारी सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षा जगत के क्षेत्र में एवं समाज के सभी वर्गों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।
मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(डॉ. महेश शर्मा)

श्रीमती अंजना सिंघल
अध्यक्ष

नगर पालिका, खुर्जा

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आर्य कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खुर्जा अपनी वार्षिक पत्रिका ''शुभम्'' का प्रकाशन करने जा रहा है। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिकाएँ जहाँ एक ओर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा महाविद्यालय में होने वाली अन्य गतिविधियों की जानकारी प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सुअवसर प्रदान करती है। आर्य कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिला बुलन्दशहर का एकमात्र कन्या महाविद्यालय है। महाविद्यालय में प्राचार्य व अध्यापिकाओं द्वारा छात्राओं की अच्छी पढ़ाई के साथ–साथ अनेक डवलप व स्किल कोर्स भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं व मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत आई0ए0एस0 जैसी महत्वपूर्ण क्लासेस भी उपलब्ध करायी जा रही हैं। जिसके लिए महाविद्यालय परिवार धन्यवाद का पात्र है।

मैं आशा करती हूँ कि इसी प्रकार महाविद्यालय प्रशासन बेटियों के सम्मान को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभायेगा। जिससे देश की हर बेटी अपने सम्मान व अभिमान को बचाने में अग्रसर होगी। वार्षिक पत्रिका ''शुभम्'' के सफल प्रकाशन हेतु मैं सम्पादक मण्डल एवं समस्त महाविद्यालय परिवार को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

Singhal

(अंजना सिंघल)

प्राचार्या की कलम से....

प्राचार्या के रूप में ए.के.पी. महाविद्यालय में अपने कार्यकाल के साढ़े 3 वर्ष में शुभम पत्रिका के वर्ष 2024– 25 के इस अंक को आपके सभी को प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष व खुशी का अनुभव हो रहा है क्योंकि पिछले साढ़े 3 वर्षों में विभिन्न चुनौतियों के बीच हमने जिस हिम्मत और संकल्प से कार्य किया है आज उसके परिणाम सामने है। जब मैने इस महाविद्यालय में आज से 43 महीने पहले प्रवेश किया तो महाविद्यालय स्वरूप जर्जर अवस्था में था। यह समझ पाना मुश्किल था कि कहां से शुरुआत की जाए। दृढ़ इच्छा शक्ति, मजबूत इरादे, अथक परिश्रम सें अच्छे व सकरात्मक परिणाम अवश्य आते हैं और असंभव से लगने वाले कार्य को भी संभव बनाते हैं। यदि हम लगातार प्रयत्न करते रहे तो कोई भी ऐसा कार्य नहीं है जिसे हम कर न सकें, बस हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए। यही इस विद्यालय में पिछले साढ़े 3 साल में हुआ। न केवल इसकी आधारभूत संरचना में अभूतपूर्व सुधार हुआ, बल्कि हमने NEP 2020 को भी स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर सफलतापूर्वक लागू किया व अनुसंधान के क्षेत्र में भी यह अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। आज महाविद्यालय न केवल हिंदी में बल्कि शारीरिक शिक्षा में भी अनुसंधान का केंद्र है बल्कि 8 विषयों में शोध निदेशक उपलब्ध है। चार छात्र व छात्राएं JRF/Scholarship सफलतापूर्वक प्राप्त कर रहे हैं। इनमें से दो का उन्नयन SRF Scholarship के लिए भी हुआ है। पिछले साल चार छात्र छात्राओं ने पीएचडी उपाधि भी हासिल की है। बड़े हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय का प्रत्येक कक्ष बिजली, पंखे व इनवर्टर की सुविधा से लैस है व सोलर पैनल लगाने का कार्य भी आरंभ किया जा चुका है। महाविद्यालय में अध्ययन–अध्यापन के साथ में अनुसंधान की सभी सुविधाएं उपलब्ध है। यहाँ 19 कौशल विकास कोर्स सफलतापूर्वक चलाए जा रहे हैं जो छात्राओं को स्वावलंबी व उद्यमी बनने के लिए प्रयासरत है। फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटी पार्लर, आर्टिफिशियल ज्वेलरी व फास्ट फूड मेकिंग के कोर्स सफलतापूर्वक चलाये जा चुके हैं। छात्राओं कों उद्यमी बनाने के लिए एम्पवार फाउंडेशन के साथ मिलकर विशेष संहिता उद्यमिता का कोर्स चलाया जा रहा है जिसमें न केवल महाविद्यालय के वर्तमान एवं पुरातन छात्राएं बल्कि खुर्जा क्षेत्र की महिला एवं महाविद्यालय द्वारा यूबीए के अंतर्गत गोद लिए गये गाँव की छात्राएं एवं महिलाएं भी लाभान्वित हो रही है। सत्र 2024 की विशेष उपलब्धता IAS, PCS & NEET की कोचिंग का सफल संचालन था, जिसमें खुर्जा क्षेत्र के सभी छात्र–छात्राएं लाभान्वित हुए। वर्तमान में इसरो के वैज्ञानिक का महाविद्यालय आकर व्याख्यान देना, विभिन्न संस्थाओं के अधिकारियों का आगमन, छात्राओं के विकास के लिए विभिन्न वर्कशॉप का संचालन किया जाना, महाविद्यालय के प्रति हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। कहते हैं प्रयत्नशील व्यक्ति जीवन में कभी निराश नहीं होता और लगातार प्रयास हमें हमारे लक्ष्य की तरफ ले जाते हैं, अनगिनत चुनौतियां हैं और अपार संभावनाएं। भविष्य में भी महाविद्यालय का प्रयास छात्र छात्राओं व महिलाओं के विकास के लिए नित नये अवसर लाना, उन्हें स्वावलंबी बनाना रहेगा व नित नई उचाईयों पर ले जाना रहेगा। अपने इस छोटे कार्यकाल में जिस सफलतापूर्वक हमने अपने महाविद्यालय को नित नई उचाईयों पर पहुचाया है व छात्राओं को उनके व्यक्तित्व विकास के लिए जो आयाम दिये है और इन सभी कार्यों में जिन सभी ने मेरा सहयोग एवं योगदान दिया है चाहे वह खुर्जा क्षेत्र के गण मान्य व्यक्ति हो, शिक्षक हो या गैर शिक्षक कर्मचारी, मैं उन सभी का दिल की गहराई से धन्यवाद देती हूँ व आपको विश्वास दिलाती हूँ कि शिक्षा के क्षेत्र में हम नित्य नये प्रयोग करते रहेंगे एवं महाविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करते रहेंगे। इसी विश्वास के साथ शुभम पत्रिका का यह अंक आप सभी को समर्पित है।

प्रो० डिम्पल विज

संपादकीय

"Success is the sum of small efforts repeated day in and day out" - Robert collier

रॉबर्ट कोलियर के उपरोक्त कथन को चरितार्थ करते ए के पी डिग्री कॉलेज की वार्षिक पत्रिका 'शुभम्' के अभिनव अंक के साथ आपके सम्मुख उपस्थित हैं। 'शुभम्' का यह अंक नव विचारों की नवीन रचनात्मकता का पल्लवित, पुष्पित, सुगंधित पिटारा है। अभिव्यक्ति लोकतंत्र का प्रधान मूल्य है । 'शुभम्' अभिव्यक्ति के लोकतंत्रीकरण का एक श्रेष्ठ प्रयास है। इसे केवल एक संस्था की विविध गतिविधियों के रूपायन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि इसकी कथ्य और योजना का चयन, वरण और प्रस्तुतीकरण नवांकुरो के लिए बीज भूमि है । 'शुभम्' में छात्राओं की ज्ञान बोध को विकसित करने की प्रवृत्ति तथा उनमें पठन–पाठन के प्रति रुझान उत्पन्न करने की प्रेरणा समाहित है। हमारा यह प्रयास छात्राओं की संकुचित प्रवृत्ति को दूर कर नए आत्मविश्वास का संचरण करने में समर्थ होगा।

अंत में मैं अपने आराध्य के प्रति नतमस्तक हूं, जिनकी अनुकंपा से हम इस कार्य को पूर्ण रूप दे सके । 'शुभम्' पत्रिका जिस आकर्षक कलेवर को धारण कर आप लोगों के सम्मुख प्रस्तुत हुई है इसका श्रेय महाविद्यालय की दूरदर्शी प्राचार्या प्रो डिंपल विज को है जिनके कुशल नेतृत्व और सुयोग्य मार्गदर्शन के बिना इसका प्रकाशन संभव नहीं था । समस्त संदेश दाताओं, उत्साही छात्राओं , शैक्षणिक अभिरुचि संपन्न शिक्षिकाओं व कर्मनिष्ठ कर्मचारियों का विशेष आभार जिनके सक्रिय प्रयासों के प्रतिफल के रूप में 'शुभम्' पत्रिका का नया अंक आपके सम्मुख है। विनम्र आभार परामर्शदाता,संपादक मंडल के सभी सदस्यों एवं मुद्रणकर्ता का जिनके सहयोग और सामंजस्य से यह गुरुत्तर कार्य पूर्णता पा सका । 'शुभम्' पत्रिका समाज में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करने और शिक्षा के महत्व को उजागर करने का एक सशक्त माध्यम बने ।

इसी मनोभाव के साथ .....

श्रीमती एकता चौहान
मुख्य संपादिका

संपादक मण्डल

बाएं से दाएं (खड़े हुए): कु. मधु सैनी, कु. कृतिका, कु. मान्या गोविल, कु. गुनगुन कौशिक, कु. इरम, कु. योगिता
बाएं से दाएं (बैठे हुए): डॉ. मनु आर्या, श्रीमती एकता चौहान (मुख्य संपादिका),
प्रो. डिंपल विज (प्राचार्या), डा. अनामिका द्विवेदी, डॉ. स्वार्णली दे

महाविद्यालय की प्रगति आख्या वर्ष 2024–25

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के मानकों को पूर्ण करते हुए ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज खुर्जा की नींव 12 अगस्त 1966 को रखी गई। ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज खुर्जा महर्षि दयानंद के मूल्यों को एकीकृत करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रदान करके छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत् रूप से अग्रसर है। ज्ञान कला, कौशल विकास और साहित्य के निरंतर जाग्रत केंद्र के रूप में यह संस्थान बहु संकाय कला महाविद्यालय के जनपद बुलंदशहर में अग्रणी स्थान रखता है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज स्नातक स्तर पर 11 विषयों तथा स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी व राजनीति विज्ञान विषय में अध्ययन एवं हिंदी व शारीरिक शिक्षा विषय में शोध की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 1000 छात्राएं स्नातक, स्नातकोत्तर व हिन्दी विषय में शोध हेतु पंजीकृत है। बदलते समय के साथ तालमेल रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बी0ए0 डिग्री में कौशल विकास व मूल्यवर्धन के लिए नए करियर ओरिएंटेड सर्टिफिकेट कोर्स महाविद्यालय में शुरू किए गए हैं। इस समय महाविद्यालय में 19 स्किल और 8 स्वरोजगार कोर्स महाविद्यालय की दूरदर्शी प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज के कुशल संचालन में संचालित हो रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के सफल संचालन हेतु महाविद्यालय ने विभिन्न संगठनों के साथ एम0ओ0यू0 साइन किए हैं यथा स्लीपवेल फाउंडेशन, संस्कृत भारती मेरठ प्रांत, सन 19 फार्मा, डी0एन0 पीजी कॉलेज गुलावटी, विद्या ब्रिज, एल0एन0 आई0पी0 ग्वालियर ,राजकीय फल संरक्षण विभाग बुलंदशहर, सी0जी0सी0 आर0 आई0 खुर्जा, एम्पावर फाउंडेशन, आई0एम0टी0 कालेज नोएडा, डी0बी0पी0एस0 कालेज अनूपशहर इत्यादि। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिभावान, मेधावी, लगनशील एवं परिश्रमी सभी संवर्गो के छात्र–छात्राओं के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत निशुल्क कोचिंग का शुभारंभ दिनांक 01.07.2024 को मुख्य अतिथि श्री दुर्गेश सिंह एस0डी0एम0 खुर्जा डॉ0 पद्मजा मिश्रा कोर्स कोआर्डिनेटर बुलंदशहर, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज द्वारा किया गया। वर्ष 2024–25 में निशुल्क कोचिंग के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गई। दिनांक 01.07.2024 को ''सिविल सेवा में कैरियर संभावना व चुनौतियां'' विषय पर एस0डी0एम0 खुर्जा श्री दुर्गेश सिंह का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। दिनांक 12.08.2024 ''समय प्रबंधन'' विषय पर सी0डी0ओ0 बुलंदशहर श्री कुलदीप मीणा का विशिष्ट व्याख्यान तथा नशा मुक्त भारत की शपथ का आयोजन किया गया। दिनांक 02.12.2024 को ''क्लाइमेट चेंज एंड इट्स इंपैक्ट्सः इंडिया स्ट्रेटजी'' विषय पर प्रो0 डिंपल विज प्राचार्य ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। दिनांक 10.12.2024 को ''इंटरपर्सन एंड कम्युनिकेशन स्किल'' विषय पर श्रीमती दिशा वर्मा स्लीपवेल फाउंडेशन का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। वर्ष 2024–25 में छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए दिनांक 11.04.2025 को महाविद्यालय में स्किल सेंटर का उद्घाटन माननीय सांसद डॉ0 महेश शर्मा द्वारा किया गया। वर्ष 2024–25 में पी0एन0बी0 ग्रामीण स्वरोजगार योजना के अंतर्गत कॉलेज में निःशुल्क सिलाई कोर्स चलाया गया, जिसमें महाविद्यालय की 35 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दिनांक 11.04.2025 में पी0एन0बी0 स्वरोजगार योजना के अंतर्गत आर्टिफिशियल ज्वेलरी का 13 दिवसीय प्रशिक्षण महाविद्यालय की छात्राओं को दिया गया। वर्ष 2024–25 में मूल्यवर्धन कोर्स के तहत CGCRI खुर्जा में आयोजित कार्यशालाओं में महाविद्यालय की 35 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दिनांक 18.09.2024 को नई शिक्षा नीति के तहत बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर व एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्राओं का अभिविन्यास कार्यक्रम ''विद्यारंभ'' का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। एन0ई0पी0 कोऑर्डिनेटर श्रीमती नीलू सिंह के संयोजन में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य नव प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय की गतिविधियों, एन0ई0पी0 के उद्देश्य व महाविद्यालय अनुशासन से परिचित कराना था। लगभग 300 छात्राओं ने इसमें प्रतिभाग किया। दिनांक 1.10.2024 को महाविद्यालय में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया

गया जिसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया तथा उन्हें महाविद्यालय द्वारा छात्रों के हित में किये जा रहे प्रयासों व गतिविधियों से अवगत कराया गया।

महाविद्यालय की स्थापना वर्ष से ही संस्कृत विभाग सक्रिय रूप से काम कर रहा है। वर्ष 2024–25 में छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संस्कृत विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिनांक 16.08.2024 को यज्ञ के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ किया गया जिसकी संयोजिका डॉ0 मन् आर्या थीं। दिनांक 17.08.2024 को अंतर महाविद्यालय संस्कृत गीत गायन व संस्कृत ग्रंथ वाचन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 18.08.2024 को संस्कृत विज्ञापन, संस्कृत कथा श्रवण तथा मंत्र उच्चारण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्कृत सप्ताह का अंतिम दिवस अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं के रूप में मनाया गया विभिन्न विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की 10 टीमों ने संस्कृत गीत गायन, संस्कृत विज्ञापन निर्माण, लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। संस्कृत विभाग की छात्रा कुमारी बुलबुल सोलंकी ने उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागिता कर तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

हिंदी विभाग के अंतर्गत महाविद्यालय में शोध एवं अध्ययन परिषद निरंतर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। वर्ष 2024–25 में महाविद्यालय में 12 शोधार्थी शोधरत् हैं। चार शोधार्थियों को यूजीसी द्वारा जेआरएफ प्रदान किया जा रहा है। हिंदी विभाग के दो शोधार्थी कुमारी नीतू तिवारी व कुमारी निवेदिता स्वरूप ने एस0आर0एफ0 प्राप्त किया है। सत्र 2024 में प्रोफेसर रेखा चौधरी के निर्देशन में कार्य कर रहे शोधार्थी श्री मनोज कुमार तोमर का पी0एच0डी0 का ओपन वाइवा दिनांक 30.09.2024 को संपन्न हुआ इसमें डॉक्टर बी0आर0 अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली की प्रोफेसर गोपाल प्रधान जी बाह्य परीक्षक के रूप में थे। मनोज कुमार तोमर का शोध विषय था ''21वीं सदी के बाल साहित्य का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन''। डॉ0 शशि प्रभा त्यागी के निर्देशन में कार्य कर रहे शोधार्थी श्री अनुज कुमार चौहान का ओपन वाइवा दिनांक 07.11.2024 को संपन्न हुआ जिसमें बाह्य परीक्षक के रूप में दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक प्रकाश रहे। शोध विषय था ''अमरकांत की कथा साहित्य में युगबोध''। डॉ0 शशि प्रभा त्यागी के निर्देशन में कार्य कर रही शोधार्थी श्रीमती गीता सिंह का ओपन वाइवा दिनांक 16.11.2024 को महाविद्यालय में संपन्न हुआ। श्रीमती गीता सिंह का शोध विषय था ''मैत्रेई पुष्पा की कथा साहित्य का सामाजिक अध्ययन'' बाह्य परीक्षक के रूप में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से प्रोफेसर सुचित्रा मलिक जी उपस्थित रहीं। शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में प्रस्तुत करने से पूर्व नियमानुसार शोध सेमिनार का आयोजन महाविद्यालय में किया जाता है। इस वर्ष शोध परिषद प्रभारी डॉ0 रेखा चौधरी के निर्देशन में दिनांक 20.05.2025 को शोधार्थी नरेंद्र कुमार ने अपने शोध विषय ''हिंदी उपन्यासों में समाजवादी चेतना'' विषय पर अपना शोधसार प्रस्तुत किया। दिनांक 17.05.2024 को शोधार्थी गीता ने शोध विषय ''मैत्री पुष्पा के कथा साहित्य का सामाजिक अध्ययन'' व शोधार्थी सुशील कुमार शोध विषय ''अखिलेश के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय जीवन की अभिव्यक्ति एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'' पर शोध सार प्रस्तुत किया। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग बुलंदशहर के तत्वाधान में आयोजित जनपद स्तरीय युवा उत्सव में कहानी लेखन प्रतियोगिता में कु0 गुनगुन कौशिक एम0ए द्वितीय सेमेस्टर ने तृतीय स्थान, भाषण में कुमारी ईरम ने तृतीय स्थान, समूह गान प्रतियोगिता में कु0 चंचल सोलंकी बी0ए0 पंचम सेमेस्टर व बुलबुल सोलंकी बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर ने प्रथम स्थान तथा टेक्सटाइल में टीम ए0के0पी0 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सड़क सुरक्षा सप्ताह 2024 के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्रा कु0 जिया बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के अंतर्गत पाँच दिवसीय युवा महोत्सव ''उल्लास'' का आयोजन प्रभारी प्रो0 रेखा चौधरी के निर्देशन में दिनांक 17.02.2025 से 21.02.2025 तक महाविद्यालय में किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 17.02.2025 को काव्य पाठ हिंदी व अंग्रेजी प्रतियोगिता डॉ0 रेखा चौधरी, श्रीमती नीलू सिंह व श्रीमती शर्मिष्ठा भड़ाना के संयोजन में की गई निर्णायक मंडल में डॉ0 साधना अग्रवाल (सुप्रसिद्ध कवियत्री), डॉ0 प्राची अग्रवाल (कवियत्री), श्रीमती वर्षा गुप्ता (समाजसेवी व लेखिका) रही। हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कु0 इरम एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर,

द्वितीय स्थान कु0 गुनगुन कौशिक एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर और तृतीय स्थान कु0 निशा बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर को मिला। अंग्रेजी काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मान्या गोविल बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर, द्वितीय स्थान प्रज्ञा वशिष्ठ बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर तृतीय स्थान कुमारी गुनगुन कौशिक एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर को मिला। द्वितीय सत्र में क्विज प्रतियोगिता श्रीमती एकता चौहान के संयोजन में की गई, जिसमें 29 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि सुश्री प्रतीक्षा पांडेय एस0डी0एम0 खुर्जा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजना सिंघल रही। प्रथम पुरस्कार टीम अपाला को व द्वितीय पुरस्कार टीम लोपामुद्रा को मिला। दिनांक 18.02.2025 को प्रो0 वीना माथुर संयोजन में लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ0 अर्चना सिंह (पूर्व प्रोफेसर डी0ए0वी0 कॉलेज बुलंदशहर) श्री मेघदत्त शास्त्री संगीतज्ञ व श्रीमती नीरज रहे। प्रथम स्थान कु0 पूजा बी0ए0 प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान कु0 अक्शा एम0ए0 द्वितीय वर्ष तृतीय स्थान कु0 बुलबुल सोलंकी बी0ए0 द्वितीय वर्ष का रहा। इसके पश्चात वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन डॉ0 स्वर्णाली डे के निर्देशन में हुआ जिसका विषय था ''नौकरियों में बढ़ती असुरक्षा का एकमात्र कारण ए0आई है''। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु इरम एम0ए0 प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान कु0 मान्या गोविल बी0ए0 द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान कु0 खुशी सिंह बी0ए0 तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ। दिनांक 19.02.2025 को नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन प्रो0 साहिल के संयोजन में किया गया जिसमें सामाजिक विद्रूपताओं को दर्शाते नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन डॉ0 मनु आर्या के संयोजन में किया गया जिसमें प्रथम स्थान कु0 प्रिया, द्वितीय स्थान कु0 प्रज्ञा वशिष्ठ बी0ए0 द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान कु0 इरम एम0ए0 प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। द्वितीय सत्र में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती एकता चौहान के निर्देशन में हुआ। इसका विषय था ''भारत की लोक संस्कृति'' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु0 प्रज्ञा वशिष्ठ बी0ए0 द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान कु0 खुशी व कु0 दीपाली बी0ए0 द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान कु0 निशा कु0 खुशबू, कु0 शीतल बी0ए0 प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल में डॉ0 पूनम वशिष्ठ प्रसिद्ध नृत्यांगना श्रीमती रंजना सिंह समाजसेवी, श्रीमती वर्षा गुप्ता समाजसेवी, डॉ0 पद्मजा मिश्रा समाज कल्याण विभाग रहे। दिनांक 20.02.2025 को माइम प्रतियोगिता का आयोजन डॉ0 गीता सिंह के संयोजन में हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती अंजना सिंघल और श्री भगवान दास सिंघल समाजसेवी रहे। प्रथम स्थान कृतिका ग्रुप, द्वितीय स्थान हिमांशी ग्रुप व तृतीय स्थान कशिश ग्रुप को प्राप्त हुआ। इसी क्रम में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन डॉ0 मनु आर्या के संयोजन में हुआ। प्रथम स्थान कु0 मान्या बी0ए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान कु0 आशा एम0ए0 प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। निबंध के विषय थे–''नई शिक्षा नीति के प्रभाव व चुनौतियाँ'', ''लिव इन रिलेशनशिप का समाज पर प्रभाव''। द्वितीय सत्र मधुबनी चित्रकला प्रतियोगिता जिसका विषय ''राम कथा'' था का संयोजन प्रो0 रेखा चौधरी ने किया निर्णायक मंडल में डॉ भक्ति असिस्टेंट प्रोफेसर श्यामलाल सरस्वती कॉलेज व श्रीमती इंद्रेश रही। प्रथम स्थान कु0 मनीष्का तोमर बी0ए0 प्रथम वर्ष, कु0 जीया राघव बी0ए0 प्रथम वर्ष, कु0 रिया बी0ए0 प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। इसके पश्चात् स्वनिर्मित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती नीलू सिंह जी ने किया। निर्णायक मंडल में श्रीमती ज्योत्स्ना ब्यूटीशियन व श्रीमती अनु गुलाटी मेकअप आर्टिस्ट रही। प्रथम स्थान कु0 अक्शा, द्वितीय स्थान कु0 फरहीन, तृतीय स्थान कु0 मुस्कान ने प्राप्त किया। दिनांक 21.02.2025 को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती नीलू सिंह जी ने किया प्रथम स्थान कु0 सोनम द्वितीय स्थान गायत्री कुरिया सैनी को प्राप्त हुआ। मेला व प्रदर्शनी का आयोजन ''उल्लास'' के अंतर्गत किया गया जिसका संयोजन प्रो0 रेखा चौधरी ने किया लगभग 100 छात्राओं ने इसमें प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डी0सी0 गुप्ता समाजसेवी, प्रोफेसर वैशाली गुप्ता प्राचार्य एन0आर0सी0 कॉलेज, श्रीमती रितु मिन्हास उद्यमी, श्रीमती ललिता पाण्डेय समाजसेवी रहे। मेले में लगभग 30 स्टाल लगाए गए जिसमें देहाती व्यंजन, पॉटरी का सामान, हस्तनिर्मित वस्त्र, उन्नत भारत स्टॉल व पुरातन छात्र स्टॉल शामिल थे। आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय हापुड़ में आयोजित तीन दिवसीय युवा महोत्सव उड़ान में स्वरचित कविता पाठ में महाविद्यालय की छात्रा कु0 ईरम ने तृतीय स्थान एकल लोकगीत में कु0 बुलबुल सोलंकी ने तृतीय स्थान, समूह लोकगीत में कु0 बुलबुल सोलंकी व चंचल सोलंकी ने द्वितीय स्थान तथा लघु नाटिका में टीम ए0के0पी0 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कु0 गुनगुन कौशिक ने कविता पाठ में तृतीय स्थान कु0 प्रज्ञा वशिष्ठ को वाद विवाद में प्रथम स्थान, मनिष्का तोमर को पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान और क्विज में जिया व कु0 प्रियंका को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म शताब्दी समारोह दिनांक 19 से 25 दिसम्बर, 2024 के अवसर पर आयोजित जनपद स्तरीय एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कु0 ईरम को प्रथम स्थान व गुनगुन कौशिक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय शिकारपुर में दिनांक 25.01.2025 को आयोजित साइंस एक्सपो प्रज्ञान में महाविद्यालय की छात्रा कु0 शिवानी तोमर व कु0 नंदिनी के मॉडल सस्टेनेबल सिटी सॉल्यूशन को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। सी0एस0आई0आर0 केंद्रीय कांच एवं सिरेमिक अनुसंधान संस्थान के 82वें स्थापना दिवस पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कुमारी निशु चौहान को द्वितीय स्थान व कु0 मंतशा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। डी0ए0वी0 महाविद्यालय बुलंदशहर में स्वर्गीय महेश चंद्रगुप्त अंतर विश्वविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कु0 ईरम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गौरी शंकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुलंदशहर में आयोजित अंतर महाविद्यालय लघुनाटिका प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम ने प्रतिभाग कर सांत्वना पुरस्कार जीता।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास में महाविद्यालय में खेलकूद व शारीरिक शिक्षा विभाग एक समृद्ध विभाग है। विभाग द्वारा छात्राओं के लिए एक प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण कर उनका सर्वांगीण विकास किया जा रहा हैं। वर्ष 2024–25 में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस को पारंपरिक खेल महोत्सव के रूप में मनाया गया। दिनांक 07 नवम्बर, 2024 को महाविद्यालय की कबड्डी टीम ने नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन धूम मानिकपुर में अंतर महाविद्यालय कबड्डी महिला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन करने के कारण महाविद्यालय की छात्रा कु0 खुशबू का चयन विश्वविद्यालय टीम के लिए हुआ। इसके पश्चात दिनांक 18.11.2024 को महाविद्यालय की कराटे टीम ने ए0एस0 कॉलेज लखावटी, बुलंदशहर में प्रतिभाग किया। कु0 साक्षी ने विश्वविद्यालय और अंतर विश्वविद्यालय टीम में अपनी जगह बनाई। दिनांक 20 से 21 नवंबर, 2024 को महाविद्यालय की खो–खो टीम ने डी0एन0 पीजी कॉलेज गुलावठी में अंतर महाविद्यालय खो–खो प्रतियोगिता किया जिसमें से कुमारी सोनम ने विश्वविद्यालय टीम में अपनी जगह बनाई। दिनांक 13 नवंबर, 2024 को महाविद्यालय की योगा टीम ने सी0सी0एस0 यूनिवर्सिटी मेरठ में अंतर महाविद्यालय योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया व तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 27 नवंबर से 29 नवंबर, 2025 तक महाविद्यालय की एथलीट टीम ने नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में प्रतिभाग किया जिसमें शिवानी तोमर को लॉन्ग जंप में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 28.01.2025 को क्रिकेट महिला टीम का ट्रायल मेरठ कॉलेज में हुआ जिसमें कु0 अंशु ने विश्वविद्यालय टीम में अपना स्थान बनाया। दिनांक 04 फरवरी, 2025 को वुशु अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन बड़ौत कॉलेज में हुआ जिसमें महाविद्यालय की छात्रा अंजलि ने प्रथम स्थान, कुमारी प्रिंसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 18.02.2025 को ए0एस0 कॉलेज लखावटी में बेसबॉल का ट्रायल हुआ जिसमें महाविद्यालय की छात्रा कुमारी भारती व कुमारी माधुरी का चयन विश्वविद्यालय टीम के लिए हुआ। महाविद्यालय में खेलकूद की सुविधाओं में न केवल और अधिक गुणवत्ता पूर्वक बनाया गया है बल्कि खेलकूद गतिविधियों हेतु नई सुविधाओं का भी विकास किया गया है। महाविद्यालय में छात्राओं के शारीरिक विकास हेतु आधुनिक सुविधाओं वाली दो व्यायाम शालाओं (ओपन व इंडोर जिम) का निर्माण किया गया है। दिनांक 07 मार्च, 2025 को महाविद्यालय में डॉ. पद्मा उपाध्याय अंतरविश्वविद्यालय वाद– विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के महाविद्यालयों से कुल 10 टीमों ने प्रतिभाग कर पक्ष व विपक्ष में अपने विचार रखें। प्रतियोगिता में वाद–विवाद का विषय था ''विकसित भारत@2047: दिवास्वप्न या वास्तविकता''। निर्णायक मंडल में प्रो0 राजेश गर्ग डी0ए0वी कॉलेज बुलंदशहर, डॉ0 पद्मजा मिश्रा कोर्स को–आर्डिनेटर मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना बुलंदशहर व डॉ0 पीयूष त्रिपाठी डी0एन0 पीजी कॉलेज गुलावटी रहे। प्रतियोगिता का संयोजन व संचालन श्रीमती एकता चौहान ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संभव चौधरी हरचंद महाविद्यालय द्वितीय स्थान ख़ुशी जादौन ए0के0पी0 कॉलेज खुर्जा तथा तृतीय स्थान बीना शर्मा ब्रह्मानंद महाविद्यालय को मिला। सांत्वना पुरस्कार अंजली शर्मा ब्रह्मानंद महिला विद्यालय, रजनी सोलंकी डी0ए0वी0 बुलंदशहर, दिव्या शर्मा के0डी0 कॉलेज सिंभावली को मिला। डॉ पद्मा उपाध्याय चल वैजयंती चौधरी ब्रह्मानंद महाविद्यालय को प्राप्त हुई।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना उन्नत भारत अभियान के तहत वर्ष 2022 से ही गाँव को अंगीकृत करने की प्रक्रिया महाविद्यालय में चल रही है। वर्ष 2023 सितंबर माह में यह प्रक्रिया पूर्ण हो गई और हमारा महाविद्यालय उन्नत भारत अभियान योजना का सक्रिय प्रतिभागी संस्थान बना। इस क्रम में हमने खुर्जा ब्लॉक के पाँच गाँव ढ़ाकर निजामपुर, नगला मोहिद्दीनपुर, धाराऊ, सीकरी इस्माइलपुर बुढेना को अंगीकृत किया गया है, जिसकी संस्तुति राष्ट्रीय समन्वयक संस्थान आई0आई0टी0 दिल्ली द्वारा की गई है। अभियान के तहत चयनित गाँव का सर्वे किया गया और गाँव की सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य से जुड़ी हुई समस्याओं का सर्वेक्षण उन्नत भारत योजना की नोडल अधिकारी डॉ0 रेखा चौधरी के निर्देशन में किया जा रहा है। वर्ष 2024–25 में यू0जी0सी0 के स्वयं पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कोर्स कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत महाविद्यालय की 198 छात्रों का पंजीकरण कराया गया। दिनांक 09.08.2024 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्देशित काकोरी एक्शन शताब्दी समारोह पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 24.07.2024 को ग्राम मोइनुद्दीनपुर में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम उन्नत भारत के तहत ग्राम पाठशाला, हाउसहोल्ड सर्वे किया जा रहा है तथा किया गया। प्रत्येक रविवार व अवकाश के दिनों में अंगीकृत गाँव ग्रामीणों को महाविद्यालय में चल रहे स्वरोजगार कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। दिनांक 02.10.2024 को अंगीकृत ग्राम नगलामुद्दीनपुर में संचारी रोग से सुरक्षा संबंधी ग्राम सभा का आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ग्राम ढ़ाकर में बाल सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को मिठाई वितरित की गई। दिनांक 22.09.2024 को ग्राम ढाकर में स्त्री रोगों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।

यूनिसेफ, पी0एफ0एच0आई0, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त पहल मुस्कराएगा इंडिया वैलनेस सेंट महाविद्यालय में सक्रिय रूप से कार्यरत है। मानसिक रूप से परेशान लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए मेंटल हेल्थ काउंसलिंग की जा रही है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डिंपल विज के मार्ग निर्देशन में यूनिसेफ मेंटल हेल्थ काउंसलर श्रीमती एकता चौहान द्वारा मानसिक रूप से परेशान लोगों की ऑनलाइन व ऑफलाइन काउंसलिंग की जाती है। वैलनेस सेंटर द्वारा समय–समय पर मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

शिक्षा निदेशालय उत्तर प्रदेश व यातायात विभाग के आदेशों की अनुपालन में दिनांक 08 सितंबर, 2022 को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिंपल बिज के संरक्षण में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया। इसका उद्देश्य छात्राओं के बीच सड़क सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती दर में कमी लाई जा सके। वर्ष 2024–25 में रोड सेफ्टी क्लब प्रभारी श्रीमती एकता चौहान के निर्देशन में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसका विषय था स्वच्छता व सड़क सुरक्षा। दिनांक 09 अक्टूबर, 2024 को रोड सेफ्टी क्लब द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें नेत्र चिकित्सक डॉ0 राजेश अरोड़ा की निगरानी में महाविद्यालय की छात्राओं व महाविद्यालय परिवार के आँखों की जांच कराई गई। दिनांक 12 नवंबर, 2024 को परिवहन विभाग उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय स्तर पर क्विज, चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 19 जनवरी, 2025 को जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं में प्रतिभागिता की भाषण प्रतियोगिता प्रतियोगिता में जिया व क्विज में संध्या ने प्रतिभाग किया। दिनांक 11 जनवरी, 2025 को मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कुमारी जिया का चित्रकला में प्रथम स्थान आया। दिनांक 5 फरवरी 2025 को सड़क सुरक्षा संबंधित रैली व सड़क सुरक्षा शपथ का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। दिनांक 25 मार्च, 2025 को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर महाविद्यालय में वॉल पेंटिंग करायी गयी। गई ।

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के उद्देश्य से इनोवेशन सेल्स स्थापित किए गए हैं। महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज की प्रेरणा से दिनांक 01.02.2022 को आई0ई0सी0 सेल गठित किया गया। जिसकी अध्यक्ष प्रोफेसर डिंपल विच संयोजक श्रीमती एकता चौहान व सह–संयोजक डॉक्टर स्वर्णनाली दे हैं। दिनांक 13.12.2024 को आई0ई0सी0 सेल द्वारा स्टार्टअप एंड इनोवेशन कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डिंपल विच के निर्देशन में किया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर योगिता शर्मा डीन मानव रचना यूनिवर्सिटी रहीं।

महाविद्यालय में रोवर और रेंजर्स की दो इकाइयाँ कल्पना चावला व अपराजिता कार्यरत हैं। दिनांक 23.04.2025 से 26.04.2025 को रोवर रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रभारी डॉ0 अनामिका व श्रीमती शर्मिष्ठा के निर्देशन में महाविद्यालय में किया गया। कैप्टन स्काउट गाइड श्री ओ0पी0 हंस जी द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया जिसके अंतर्गत ध्वज शिष्टाचार, टोली ज्ञान, पेट्रोल सिस्टम, प्राथमिक चिकित्सा, विविध प्रकार की गांठे व बंधन, तंबू निर्माण का परिचय, हस्तकला सामग्री इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 12.08.2024 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन रोवर्स और रेंजर्स द्वारा किया गया।

Not me but you के उद्घोष के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज खुर्जा 45 वर्षों से सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व विकास और सामुदायिक सेवा का कार्य कर रही है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाइयँ है। वर्ष 2024–25 में दोनों इकाइयों द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेविकाओं को रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों की तरफ प्रवृत्त होने का अवसर दिया। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई की स्वयंसेविका कुमारी प्रज्ञा वशिष्ठ का चयन स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024 नई दिल्ली के लिए हुआ। जुलाई माह में वन महोत्सव के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत स्वयं सेविकाओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। महाविद्यालय में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के माध्यम से विभिन्न स्वच्छता शिविर लगाए गए और स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई का विशेष शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मनु आर्य के निर्देशन में ग्राम निजामपुर में दिनांक 28 फरवरी से 6 मार्च 2025 तक लगाया गया। शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज, मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख श्रीमती मोनिका सिंह, ग्राम प्रधान व नगर पालिका अध्यक्ष अंजना सिंघल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शिविर में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, पर्यावरण संरक्षण, आओ स्कूल चलें, मतदाता जागरूकता, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा ,चुप्पी तोड़ो, महिला सुरक्षा, बापू बाजार, विकसित भारत संकल्प 2047 जैसे विषयों पर गाँव वालों के साथ मिलकर स्वयंसेविकाओं ने काम किया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई का विशेष शिविर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 गीता सिंह के निर्देशन में ग्राम सिकरी में दिनांक 18.02.2025 से 24.02.2025 तक आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डिंपल विज ने किया। शिविर में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, जल संरक्षण, कौशल प्रशिक्षण, महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति जैसे विषयों पर कार्यक्रम किए गए। दिनांक 21.11.2024 को ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज खुर्जा और बेगन आउटरीच संस्था के संयुक्त तत्वावधान में फ्रूट प्लैनेट हेल्थ विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। दिनांक 11.12.2024 से 12.12.2024 को आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मिशन शक्ति के अंतर्गत किया गया। दिनांक 19 अप्रैल, 2025 को अग्निशमन सप्ताह के अंतर्गत स्वयं सेविकाओं को फायर स्टेशन के द्वारा अग्निशमन जैसी आपदाओं से बचने की ट्रेनिंग प्रदान की गई।

महाविद्यालय में 12 अगस्त 1966 में स्थापित एक समृद्ध पुस्तकालय हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय में लगभग 23573 पुस्तकें हैं। निर्धन छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुक बैंक की व्यवस्था भी महाविद्यालय पुस्तकालय में है।

गतिविधि तालिका वर्ष 2024–25

क्रं0 सं0	दिनांक	कार्यक्रम	आयोजक
	जुलाई, 2024		
1	01.07.2024	मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत निःशुल्क कोचिंग का शुभारम्भ	मु0अ0यो0
2.	23.07.2024	वृक्षारोपण अभियान (एक वृक्ष माँ के नाम)	एन0एस0एस0
	अगस्त, 2024		
1.	07.08.2024	स्वच्छता अभियान	एन0एस0एस0 यूनिट प्रथम
2.	08.08.2024	स्वच्छता अभियान	एन0एस0एस0 यूनिट द्वितीय
3.	09.08.2024	काकोरी ट्रेन एक्शन पर विचार गोष्ठी	उन्नत भारत अभियान
4.	12.08.2024	हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत तिरंगा यात्रा तथा नशा मुक्त भारत विशिष्ट व्याखयान समय प्रबंधन	एन0एस0एस0 मु0अ0यो0
5.	15.08.2024	स्वतन्त्रता दिवस	
6.	16.08.2024	यज्ञ के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारम्भ	संस्कृत विभाग
7.	17.08.2024	महाविद्यालयीय संस्कृत श्लोकोच्चारण, संस्कृत गीत गायन, संस्कृत गद्यवाचन प्रतियोगिताएँ	संस्कृत विभाग
8.	20.08.2024	महाविद्यालयीय मंत्रोच्चारण, संस्कृत विज्ञापन, संस्कृत कथा श्रावण प्रतियोगिताएँ	संस्कृत विभाग
9.	21.08.2024	अन्तर्विश्वविद्यालयीय श्लोकोच्चारण, संस्कृत विज्ञापन, संस्कृत गीत गायन, प्रतियोगिताएँ	संस्कृत विभाग
10.	29.08.2024	राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिताएँ	शा0 शि0 वि0
	सितम्बर, 2024		
1.	18.09.2024	विद्यारम्भ कार्यक्रम	एन0ई0पी0
2.	20.09.2024	स्वच्छता शपथ	
3.	24.09.2024	स्वच्छता ही सेवा पर रंगोली, मॉडल, पोस्टर, प्रतियोगिताएँ, एन0एस0एस0 स्थापना दिवस	एन0एस0एस0
4.	30.09.2024	मनोज कुमार की शोध मौखिकी	शोध परिषद्
5.	30.09.2024	कचरा व प्लास्टिक मुक्त कैम्पस अभियान	एन0एस0एस0

	अक्टूबर, 2024		
1.	01.10.2024	शिक्षक अभिभावक बैठक	
2.	01.10.2024	प्लास्टिक व कचरा प्रबंधन पर कार्यशाला	एन0एस0एस0
3.	01.10.2024	निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर,	मेडिकल समिति
		निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर	
4.	09.10.2024	मिशन शक्ति फेज–5 पर विशेष व्याख्यान	एन0एस0एस0
	नवम्बर, 2024		
1.	07.11.2024	पी0एच0डी0 शोध मौखिकी (अनुज कुमार चौहान)	शोध परिषद्
2.	12.11.2024	सड़क सुरक्षा पर क्विज, भाषण व पोस्टर प्रतियोगिताएँ	रोड सेफ्टी क्लब
3.	16.11.2024	शोध मौखिकी (गीता सिंह)	शोध परिषद्
4.	21.11.2024	वीगन आउटरीच द्वारा फूड प्लान्ट हेल्थ पर ऑनलाइन	एन0एस0एस0
		कार्यशाला	
5.	27.11.2024	टेबलेट वितरण कार्यक्रम (परास्नातक)	
	दिसम्बर, 2024		
1.	02.12.2024	जलवायु परिवर्तन व उसके प्रभाव विशिष्ट व्याख्यान	मु0 अभ्युदय योजना
2.	10.12.2024	इंटर पर्सनल एण्ड कम्यूनिकेशन स्किल विशिष्ट व्याखन	मु0 अभ्युदय योजना
3.	10.12.2024	विकसित भारत क्विज चैलेंज प्रतियोगिता	एन0एस0एस0
4.	11.12.2024	मिशन शक्ति फेज–5 के अन्तर्गत दो दिवसीय	एन0एस0एस0
	12.11.2024	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	
5.	13.12.2024	शुभम् पत्रिका का विमोचन, स्किल प्रमाण पत्र वितरण,	एन0ई0पी0 कैरियर सेल
		नवाचार पर कौशल विकास कार्यशाला	
6.	14.12.2024	टाइम्पस प्रो–एप विषय पर कार्यशाला	कैरियर सेल
7.	19.12.2024	प्रकृति परीक्षण कैम्प	मेडिकल
8.	20.12.2024	सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत काव्यपाठ	एन0एस0एस0
9.	21.12.2024	सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत संगोष्ठी	एन0एस0एस0
10.	21.12.2024	स्मार्टफोन वितरण (स्नातक स्तर)	
11.	26.12.2024	एन0एस0एस0	
	जनवरी, 2025		
1.	17.01.2025	कुष्ठ आश्रम का शैक्षणिक भ्रमण	सोशल वर्क
2.	17.01.2025	बीमा सखी योजना एक दिवसीय कार्यशाला	कैरियर सेल
3.	25.01.2025	मतदाता दिवस रैली, रंगोली, स्वच्छता, अभियान	एन0एस0एस0
			एन0एस0एस0 वन डे कैम्प

4.	26.01.2025	गणतन्त्र दिवस	
5.	30.01.2025	जे0आर0एफ0 से एस0आर0एफ0 हेतु सेमिनार	शोध परिषद्
	फरवरी, 2025		
1.	04.02.2025	सड़क सुरक्षा जागरूकता पर पोस्टर निर्माण व शपथ ग्रहण	रोड सेफ्टी व एन0एस0एस0
2.	17.02.2025	स्वच्छता अभियान ग्राम सीकरी वन डे कैम्प	एन0एस0एस0 द्वितीय इकाई
3.	17.02.2025	कविता पाठ व क्विज प्रतियोगिताएँ	साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद
4.	18.02.2025	विशेष शिविर का शुभारम्भ	एन0एस0एस0 इकाई द्वितीय
5.	18.02.2025	वाद–विवाद व लोकगीत, प्रतियोगिताएँ	साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद
6.	19.02.2025	कौशल विकास पर व्याख्यान एन0एस0एस0 कैम्प	एन0एस0एस0
7.	19.02.2025	नुक्कड़ नाटक व आशु भाषण तथा लोकनृत्य प्रतियोगिताएँ	साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद
8.	20.02.2025	निबन्ध, माईम, चित्रकला तथा फेंसी ड्रेस प्रतियोगिताएँ	साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद
9.	20.02.2025	पर्यावरण सरंक्षण पर रैली व पोस्टर निर्माण	एन0एस0एस0 इकाई द्वितीय
10.	21.02.2025	मेंहदी, सलाद सज्जा प्रतियोगिताएँ तथा मेले व प्रदर्शनी का आयोजन	साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद
11.	21.02.2025	सड़क सुरक्षा	एन0एस0एस0 इकाई द्वितीय
12.	22.02.2025	स्वास्थ्य परीक्षण एन0एस0एस0 कैम्प	एन0एस0एस0 इकाई द्वितीय
13.	24.02.2025	विशेष शिविर समापन	एन0एस0एस0 इकाई द्वितीय
14.	25.02.2025	निजामपुर ग्राम का सर्वे	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
15.	27.02.2025	वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएँ	शा0 शि0
16.	27.02.2025	निजामपुर ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाया गया	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
17.	28.02.2025	यज्ञ का आयोजन (निजामपुर प्रा0 विद्यालय)	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
18.	28.02.2025	खेलकूद प्रतियोगिताएँ शा0 शि0	
19.	23.02.2025	नशा मुक्ति अभियान	एन0एस0एस0 इकाई द्वितीय
	मार्च, 2025		
1.	01.03.2025	जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
2.	02.03.2025	आपदा प्रशिक्षण, मतदाता जागरूकता	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
3.	03.03.2025	स्वास्थ्य परीक्षण, चुप्पी तोड़ो	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
4.	04.03.2025	प्रधानमंत्री योजनाएँ, कौशल विकास प्रशिक्षण	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
5.	04.04.2025	स्मार्टफोन वितरण स्नातक वर्ग	एन0ई0पी0
6.	05.03.2025	बापू बाजार मेंहदी प्रतियोगिता	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम
7.	06.03.2025	सड़क सुरक्षा रैली तथा शिविर समापन	एन0एस0एस0 इकाई प्रथम

8.	07.03.2025	पद्मा उपाध्याय अन्तर्विश्वविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता	
9.	07.03.2025	नशामुक्त भारत शपथ, पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय	एन0एस0एस0
	अप्रैल, 2025		
1.	11.04.2025	स्किल सेन्टर का उद्घाटन	स्किल्ड सेल
2.	19.04.2025	अग्नि शमन सप्ताह के अन्तर्गत अग्नि शमन प्रशिक्षण	एन0एस0एस0
3.	23.04.2025	रोवर/रेंजर्स त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर	रोवर/रेंजर्स
4.	24.04.2025	रोवर/रेंजर्स त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर	रोवर/रेंजर्स
5.	25.04.2025	उन्नति महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम	आई0आई0सी0 सेल
6.	26.04.2025	रोवर/रेंजर्स कैम्प फायर	रोवर/रेंजर्स
7.	29.04.2025	पुलिस की पाठशाला	छात्रा क0 स0

चिट्ठियाँ

चीन, सियाचीन–के सरहद पर जब आती है चिट्ठियाँ,
सदियों की जमी बर्फ को पिघलाती हैं चिट्ठियाँ ।

शून्य से नीचे, बहुत नीचे तापमान,
सर्द धरती सर्द आसमान।
वियर–रम, चाय–कॉफी
आग हो, अलाव हो।
क्षण में उत्साहित करती, गर्माती हैं चिट्ठियाँ
सरहद पर जब आती हैं चिट्ठियाँ।

बर्फ में धंसे जब टटोलते–
निज पाँव वे, बार–बार अक्षरों में
खोजते निज गाँव वे।
तब माँ की गुदगुदी गोद सी,
लगती हैं चिट्ठियाँ
सरहद पर जब आती हैं चिट्ठियाँ ।

सुदूर बहुत दूर वीरानी घाटियों में– सिपाहियों के कान में,
कुछ गाती हैं चिट्ठियाँ, सब छोड़कर खड़े,
आन–बान शान हेतु अनवरत अड़े। गाँव से जब जाती हैं चिट्ठियाँ,
शरहद पर जब आती है चिट्ठियाँ।

प्रो० रेखा चौधरी
(हिन्दी विभाग)

नारी संवेदन एवं पाशणी धरती के प्रकम्पन का काव्य ''अभिशप्त शिला''

अभिशप्त– शिला की वस्तु योजना न कल्पना लोक की उपज है न पौराणिकता की पुनरावृत्ति। युगीन संघर्षों से फूटती हुई क्रन्ति और नई सदी की सांस्कृतिक चेतना की निर्मित इस काव्य की मूल प्रस्तावना है। मनुष्य मात्र की समानता पर नए सांस्कृतिक समाज की रचना आधारित होगी। नारी जीवन के प्रति उपेक्षित संवेदना का विस्फोट ही इस रचना की मूल परिणति है। सामाजिक जीवन के मौलिक परिवर्तन में नारी की अस्मिता, राष्ट्रीय चरित्र निर्माण और मानवीय गौरव बोध की समस्याएँ ज्वलन्त एवं विकराल हैं। डॉ० चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित ललित कृत ''अभिशप्त शिला'' में चेतना और वृत्ति की तन्मयता अथवा रचनात्मक तदाकारता ही प्रत्यक्ष का आधार है। जीवन के दण्डकारण्य में मानवीय संदेवनाओ का सर्वथा अभाव है।

''अभिशप्त–शिला'' में वैदिक एवं पौराणिक साहित्य में बिखरी हुई ''अहल्या'' विषयक सामग्री को नए सन्दर्भ एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य में सार्वभौमिक संवेदना के रूप में संयोजित किया गया है। एक व्यक्ति के भीतर चेतना के विभिन्न स्तर है। उसकी उच्चतर चिन्तनशीलता ही गौतम उसी व्यक्ति की अखण्ड वृत्ति अहल्या एवं उसकी ऐन्द्रिय कर्म शक्ति ही इन्द्र है। इस प्रकार ''अभिशप्त–शिला'' की अन्तर्वस्तु सृष्टि के प्रत्येक मानव की चेतना में घटित होने वाली विराट कथा है। प्रायः अहल्या गौतम और इन्द्र को शरीरी व्यक्तियों के रूप में चित्रित किया गया है। वैदिक साहित्य के टीकाकरों ने अहल्या की कथा को रूपक मात्र माना है तथा उस रूपक की अनेक प्रकार से व्याख्या की है। डॉ० चन्द्रिका प्रसाद ललित जी ने ''अभिशप्त शिला'' में गौतम को व्यक्त रूप में और इन्द्र को अव्यक्त के रूप में एक ही चेतना के दो रूप बताये हैं। व्यक्त और अव्यक्त विषय एक दूसरे से भिन्न होते है किन्तु सत्य तक पहुँचने के लिए दोनों अनिवार्य हैं एक में छद्म है दूसरे में कारूणिक सत्य। गौतम और इन्द्र दोनों अहल्या पर मुग्ध है किन्तु दोनों की मानसिक संघटना में मात्रा भेद है कवि ''अभिशप्त शिला'' अहल्या और गौतम के विश्लेषण को कला और नैतिकता का सम्बन्ध विच्छेदन कहा गया है। यह विच्छेद समाज और संस्कृति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। कला की महत्व व्यावसायिकता से परे है। राम ने कलाओं के आश्रय से मनोजगत का उन्नयन तथा काम चेतना का परिष्करण किया है। पैराणिक प्रसंगों को मनोविज्ञान और कलात्मक मूल्यों से मुक्ति देकर अपने युग का धर्म पूरा किया है। चेतना के त्रिविध रूपों को ज्योतिर्मय एक ही पंक्ति को भिन्न–भिन्न रूपों में गौतम इन्द्र अहल्या कहा गया है। वस्तुतः यह तीनों पृथक होकर भी एक ही तत्व के प्रतिभासित विवर्त हैं चेतना का कार्य ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों के सन्तुलन से ही संभव है। ज्ञान, वृत्ति और कर्म का यह रूपक भी संकेतित है।

डॉ० ललित जी ने ''अभिशप्त शिला'' को चर्या, छदम, वृत्ति, विश्लेषण, बोध चिति, कर्म एवं संतुलन संगों में सूत्रबद्ध किया है, जो विवेकपूर्ण समाज संरचना के केन्द्रीय घटक हैं। चर्या सर्ग के प्रारम्भ में अहल्या के सौन्दर्य का वर्णन है।

''पारिजात प्रफुल्ल फुल्ल पराग रञ्जित

आज इन कर पल्लवों में ललित लम्ब –

प्रलम्ब अंगुलि मुद्रिकाएँ

विनत पुष्पांजलि लिये हैं अर्चना में

इन्द्र की पूजा समर्चा मे समर्पित

छन्दमय रसना मधुर ध्वनि श्रुति पुटों में

चिबुक कपोल चक्रित चक्रतिलकावलि

महाविद्यालय परिवार

बाँए से दाँए खड़े हुए : श्री अजीत सिंह, श्री जितेन्द्र सिंह, श्री मोहित शर्मा, श्री मोमराज, श्रीमती रेखा कुमारी, डॉ. स्वर्णाली डे
डा. मनु आर्या, श्रीमती सुमन, श्रीमती रेनू भाटी, सुश्री साक्षी, सुश्री चेष्टा, श्री सुधीर सिंह (कार्यालय अधिक्षक)
श्री वीरेन्द्र कुमार, श्री रविन्द्र सिंह, श्री लखनवीर, श्री अशोक कुमार

बाँए से दाँए बैठे हुए : श्रीमती एकता चौहान, श्रीमती शर्मिष्ठा मड़ाना, डा. अनामिका द्विवेदी, प्रो. रेखा चौधरी, प्रो. बीना माथुर,
प्रो. डिंपल विज (प्राचार्या), श्रीमती नीलू सिंह, डा. कल्पना माहेश्वरी, डा. गीता सिंह, प्रो. राधिका देवी

विद्यारंभ कार्यक्रम व संस्कृत सप्ताह

प्रफुल्लित नासिका में नीलपुष्प परागरज्जित।'' 1

सौन्दर्य का संगठन ललित कलाओं ने किया है। विधना की यह अपूर्व कला सृष्टि है मनोवृत्ति के रूप में इसका प्रकरण लोकमंगल के विस्तार के लिए हुआ है। कला की वृत्ति का पोषण ऋषि के द्वारा किया जाता है। अहल्या और गौतम की वैवाहिक परिणति सौन्दर्य की भूमि तक ले चलने वाली हैं। इन्द्र पर गौतम की यह विजय सम्पत्ति और वैभव पर ज्ञान साधना और प्रेम की विजय है। नारी के अनुराग और त्याग पर लोक, वेद और कलाएँ सभी आश्चर्य चकित और व्यथित हैं। ''छद्म'' सर्ग में अहल्या के रूप और यौवन के आकांक्षी गौतम के प्रतिद्वन्दी इन्द्र का प्रतिशोध व्यक्त हुआ है।

''अहल्या ने गौतम को वरण किया है

मुझे तिरस्कृत कर मेरा अपहरण किया है। '' 2

कर्म सर्ग में अहल्या का चैतन्य होकर सांस्कृतिक मूल्यों की गिरावट पर चिन्ता व्यक्त करना आदर्श और यथार्थ की वैचारिक टकराहट लोक संघर्ष की नियोजना ऋषि के माध्यम से शोषण विहीन एवं कला पूर्ण समाज की संरचना का संदर्शन व्यक्त किया गया है।

''मैं दण्डकारण्य में भी असमर्थ रहूँगी

प्रिय से रहकर पृथक शून्य में सदा दहूँगी

एकाकी क्यों मुझे दण्डकारण्य दे दिया

करूणा का वरदान द्रवित हो दण्ड दे दिया

एकाकी जीवन ही यह अभिशाप हमारा

एकाकी जीवन की कितनी विषम व्यथाएँ

चिन्ताओं से आतंकित कोना–कोना है। '' 3

नारियों पर किये जा रहे अत्याचार की प्रतिक्रिया अहल्या ने राम से व्यक्त की है ''अभिशप्त–शिला'' की अहल्या राम की वन्दना करना भूल जाती है वह देश और संस्कृति की चिन्ता लिए हुए समग्र नारी जाति का प्रतिनिधित्व करती हैं। यहाँ तक कि संवेदनाविहीन सृष्टि के लिये सृष्टा को झकझोरती है।

''युग शापित हूँ कौन कहाँ उद्धार करेगा

यह समाज कैसे मुझको स्वीकर करेगा।''

जन्म दायिनी की न जानता कोई पीड़ा

उस पीड़ा की प्रतिनिध मैं अभिशप्त शिला हूँ

पुरुष प्रवञ्चित विश्लेषित विकला अबला हूँ''। 4

''मै अभिशप्त शिला युग शापित शिला लेख हूँ

अधिकारों से वंचित मैं आरण्य रेख हूँ''। 5

अब वह जड़ नहीं, चेतन वर्ग में है चेतन का यही लक्षण और धर्म है। राम कलाओं के रूप हैं वे कला के माध्यम से मनुष्य के विकास का सन्देश प्रदान करते हैं। कला की सार्थकता मनुष्य के विकास में है कलाकार की यही पूर्णता है जो समाज की सम्पूर्णता है।

''एक शिला अबलाओं की सम्पूर्ण जाति हूँ
एक शिला मैं संस्कृति का अवरूद्ध सृजन हूँ
निर्वासित जीवन का मैं एकान्त विजन हूँ
नारी के नैराश्य अगति की अग्रदूत हूँ। 6

डॉ0 अनामिका द्विवेदी
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

महायज्ञ

सदियों से चुप बैठी आज मुँह खोलूँगी
तोड़ के दरवाजे सारे आज सच बोलूँगी।
सहनशीलता को मेरी कमजोरी ना समझो तुम
पीढ़ा हो गयी पर्वत सी मैं कब तक झेलूँगी।
आज मांगूँगी जबाब अपने सवालो के।
दर्द दिखाऊँगी सारे बीते लाखो सालों के
पैदा होते ही क्यों मेरे घर में मातम छाया था।
जन्म लिया बेटी चेहरा सबका मुरझाया था।
मार–मार के ताने सबने मम्मी को रूलाया था।
कुल चलाने वाला बेटा नही आया था।
डस्टबिन में फेंक कर भी शर्म नही आयी थी।
कुत्तों ने जब नोचा मुझको कितना मैं चिल्लाई थी।
झाडियो में फेका कभी गन्दे नालों में।
ऐसा स्वागत होगा मेरा आया ना ख्यालो में।
डॉक्टर के छुरी काँटो से हम जो बच पाये हैं।
अब रोज नहीं मौत मरने दुनिया में आये हैं।
दर्द सहना तो हमने गर्भ से ही सरीखा है।
सलूक तो हमारे साथ जानवर तरीका है।
बन्दिसें हमारे ऊपर बचपन से ही जारी हैं।
घर के अन्दर, बाहर हर आँख शिकारी है।
बेटी यहाँ जाना नही, बेटी ये सब खाना नहीं।
ऐसे नही चलना है, ये नही पहनना है।
हँसना नही जोर से, सुनो बातें गौर से
तू पराया धन है। और हमारे सर का बोझ है।
जहर थे, डूबे थे ताने, मिलते हमे रोज है।
जंग हमारी होगी तब तक, बेटी नहीं सुरक्षित जब तक
जब बेटी के आने पर ढोल बजाए जायेंगे
देने को आशीष मंगल चार गाये जायेंगें
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारा ये जब हकीकत होगा
उसी रोज हमारा ये महायज्ञ पूरा होगा।

गुनगुन कौशिक
एम.ए. प्रथम वर्ष

वैदिक वाङ्मय में पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन : एक अध्ययन

भारतीय संस्कृति मूलतः अरण्यक संस्कृति रही है। जन्म से ही मनुष्य का नाता प्रकृति से जुड़ जाता है। इसी कारण प्रकृति की आराधना तथा पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा पुरातन भारतीय चिन्तन है। संपूर्ण वैदिक वाङ्मय मानव की मनीषा की सर्वोत्कृष्ट उपलब्धियों का अमूल्य अंश है। प्रकृति के साथ सह अस्तित्व की भावना से युक्त जीवन व्यतीत करने वाले वैदिक ऋषियों ने वसुन्धरा, ऊषा, सूर्य, वायु, जल एवं अन्यान्य प्राकृतिक शक्तियों की भावपूर्ण अभ्यर्थना की है। वैदिक सूक्त की ऋचाओं में पर्यावरण संरक्षण पारिस्थितिकी संतुलन मौसम चक्र, वर्षा घटना, जल विज्ञान चक्र और सम्बन्धित विषयों के कई सन्दर्भ देखने को मिलते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से उस समय के ऋषियों और लोगों की उच्च स्तर की जागरूकता का संकेत देते हैं। अथर्ववेद के भूमि सूक्त के स्रष्टा वैदिक ऋषि ने सहस्त्रों वर्ष पूर्व उद्घोषित किया था ''माता भूमिः पुत्रोः पृथिव्याः अर्थात वसुन्धरा जननी है, हम सब उसके पुत्र हैं। (भूमि सूक्त 12।1।7) मनुष्य और उसका पर्यावरण दोनों परस्पर एक दूसरे से इतने संबंधित है कि उन्हें अलग करना कठिन है लेकिन अत्यधिक असंतुलन अप्राकृतिक विकास, अधिक पाने की इच्छा प्रकृति के विरुद्ध पाने और काम करने की अभिलाषा ने हमारे पर्यावरण में एक समस्या व व्यवधान को जन्म दिया ह। इसी व्यवधान से उत्पन्न दुष्परिणामों के कारण आज पर्यावरण अत्यन्त चर्चा और समस्या का विषय बनकर हमारे सामने उभरा है। भारतीय संस्कृति एवं आस्था का मूल उस वैदिक दृष्टिकोण पर आधारित है जिसमें केवल अपनी ही उन्नति नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के जड़ चेतन के योगक्षेम की चिन्ता अन्तर्निहित है।

प्राच्य एवं अवाच्य विद्वानों के सतत अनुसंधानों से यह तथ्य निर्विरोध रूप से स्थापित हो चुका है कि भारतीय वैदिक सभ्यता प्राचीनतम सभ्यता है। ज्ञान का प्रथम प्रकाश वेदों के रूप में सर्वप्रथम भारत भूमि पर ही ऋषियों के अंतःकरण में अवतरित हुआ है। (प्रो संजीव कुमार शर्मा, 2023) वैदिक वाङ्मय का तात्पर्य वेदों में समाहित मंत्रो सूक्तों और शिक्षाओं से है जो न केवल आध्यात्मिक पहलुओं को उजागर करते हैं बल्कि मानव व प्रकृति के बीच के गहरे रिश्ते को भी चित्रित करते हैं। वैदिक वाङ्मय के विकास का समय 6000 ईसा पूर्व से 800 ईसा पूर्व तक माना जाता है। इस कालावधि में चार चरणों में वैदिक वाङ्मय का विकास देखा जा सकता है।

1. संहिता—संहिताओं में वैदिक मंत्रों का संग्रह है। इनके चार मुख्य रूप हैं ऋग्वेद संहिता, यजुर्वेद संहिता, सामवेद संहिता व अथर्ववेद संहिता।

2.ब्राह्मण— ब्राह्मण ग्रन्थो का मुख्य उद्देश्य संहिताओं के मंत्रों द्वारा यज्ञों की व्याख्या करना था।

3. आरण्यककृ ब्राह्मण ग्रन्थो से संबद्ध आरण्यको की रचना वनों में हुई। वैदिक कर्मकांड अनुष्ठान की उत्पत्ति और उसके महत्व के विषय में विषयों का जो चिन्तन हुआ उसे आरण्यको में रखा गया है।

4. उपनिषद्— वैदिक साहित्य के विकास के अंतिम चरण में उपनिषद ग्रंथ आते हैं। आत्मा ब्रह्म और संसार के रहस्य को इन विवेचना में प्रकाशित किया गया।

वेदों में प्रकृति की अवधारणा :— वैदिक वाङ्मय में प्रकृति को केवल एक संसाधन के रूप में नहीं बल्कि पवित्रतम तत्व के रूप में देखा गया है। वैदिक ऋषियों ने प्रकृति के नाना उपादानों को प्रमुखता दी क्योंकि वह अत्यन्त जीवन उपयोगी थे। उनके प्रति आदर भाव एवं कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए उन्हें देवोपम तथा पूज्य माना गया। कृषि संस्कृति की पोषक गाय को ''गौ माता'' कहकर पुकारा गया तो जीवनधात्री धरती को ''धरती माता'' कहा गया। (प्रो0 शेर सिंह, 2018) पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश सृष्टि के पंच तत्वों को देवताओं के रूप में पूजा गया है।

पृथ्वी को माता के रूप में पूजा जाता था जो सभी जीवों के पालन पोषण का स्रोत है। अथर्ववेद में कहा गया है—

''माता भूमि पुत्रोंहं पृथिव्याः।''

अर्थात ''धरती मेरी माँ है मैं उसका पुत्र हूँ।'' (भूमि सूक्त 12.1.7)

हमारे ऋषिगण इतने संवेदनशील और कृतज्ञता पारायण रहे कि पृथ्वी के पाद स्पर्श से भी अपराध बोध का अनुभव करते हुए उनसे क्षमा याचना करते हैं– समुद्र वसने देवी, पर्वत स्तन मंडले विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं पाद स्पर्श क्षमस्व में।।

अर्थात विष्णुप्रिये वसुंधरे ! समुद्र आपके वस्त्र और पर्वत स्तन है आपको नमस्कार है, मेरे पाद स्पर्श को क्षमा कीजिए। जल को पवित्र और जीवन दायिनी माना जाता था और जल स्रोतों की रक्षा के लिए कई मंत्रों व प्रार्थनाओं में इसे सम्मानित किया गया। ऋग्वेद में नदियों को माता के समान सम्मान दिया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है।

''आपो अस्मान्मातरः शुन्धयन्तु घृतेन ना घृत्वः पुनन्तु। अर्थात जल हमारी माता के समान है। जल घृत के समान हमें शक्तिशाली और उत्तम बनाएँ। इस तरह से जल जिस रूप में जहाँ कहीं करने योग्य है। (ऋग्वेद 10.17.10)

वायु वैदिक मे मंत्रो में वायु ही प्राणवायु के रूप में स्तुत्य है। ऋग्वेद में कहा गया है– ''आ वात वाहि भेषजं विवात वाहि यद्रपः।

त्वं हि विश्वभेषजो देवानां दूत ईयसे।। अर्थात हे वायु! अपनी औषधि ले आओ यहाँ से सब दोष दूर करो क्योंकि तुम ही सब औषधियों से युक्त हो। (ऋग्वेद 137/3)

अग्नि को एक रूपांतरक और पोषक शक्ति के रूप में देखा जाता था जो संसाधनों के संतुलित उपयोग को दर्शाता है। अग्नि को पिता के समान कल्याणकारी कहा गया। ''अग्ने! सूनवे पिता इव नः स्वस्तये आ सचस्व'' ऋग्वेद का प्रथम मंत्र ही अग्नि तत्व के स्तवन से होता है।

आकाश आदित्य अर्थात सूर्य को आकाश का देवता माना गया है। ऋग्वेद में कहा गया है।

"सूर्य आत्मा जगतस्थुषश्च'' अर्थात जड़ चेतन का अस्तित्व सूर्य के कारण ही है। अतः उसे उनकी आत्मा स्वरूप माना गया है। (ऋग्वेद 1/115/1)

ऋग्वेद में एक सुरक्षात्मक परत के अस्तित्व का स्पष्ट उल्लेख है जिसे हम ओजोन परत समझते हैं जो पृथ्वी को सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाती है। अथर्ववेद में अंतरिक्ष की महत्ता का वर्णन करते हुए कहा गया है कि जिस प्रकार समस्त प्राणियों का जीवन हृदय की धड़कन पर निर्भर करता है, उसी प्रकार अंतरिक्ष भी हमारे ब्रह्माण्ड की धड़कन के समान है जिसके सुरक्षित रहने पर हमारी पृथ्वी एवं पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

निष्कर्षः वैदिक परम्परा ने मानव प्रकृति के बीच एक गहरी और समग्र सम्बन्ध को स्थापित किया है। वैदिक वाक्य में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह न केवल प्राचीन भारतीय संस्कृति का हिस्सा है बल्कि आज के पर्यावरणीय संकटों के समाधान के लिए भी प्रासंगिक है। वेदों के सिद्धान्त को अपनाकर हम एक संतुलित और स्थाई भविष्य की दिशा में बढ़ सकते हैं। उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट है कि वैदिक संस्कृति में पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर एक सुविकसित तंत्र स्थापित था। मानव आचरण को पर्यावरण की सुरक्षा के अनुरूप संशोधित किया गया था। अतः आवश्यक है कि पर्यावरण संरक्षण की पुरातन चिन्तन धारा को पर्यावरण संरक्षण के वर्तमान संकल्पों के साथ जोड़ा जाए और प्रकृति संरक्षण के भाव को संस्कृति का अन्तरंग हिस्सा बनाया जाए।

उल्लास मेला एवं रोवर रेंजर्स

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना व उन्नत भारत योजना

किरदार

मेरे किरदार को इतना तपाया गया
बिना मौत के ही मेरी सच्चाई को जलाया गया
उफ तक नहीं की आँखे उठायी तक नहीं
जब मुझे मेरी ही नजरों से गिराया गया
जिन्दगी से हारकर तो कब की बैठ चुकी थी।
अब मुझे मेरे किरदार से भी हराया गया
घर परिवार ही जीवन है। मेरा कहने वाले को
अपने ही घर में बेगाना बनाया गया।

कुछ इस कदर मेरी कहानी लिखी ख़ुदा ने
मुझे मेरी कहानी का ही एक नासाद हिस्सा बताया गया।
हाँ दुखा हुआ आँसू गिरे रोई मैं कभी चीखी चिल्लाई, तो कभी
खुद का खुद का दुश्मन बताया।
ना नाराजगी जताने का हक मिला, ना निकलते जिस्म से खून के कटोरे को
सिल, किस का नाम लिखूँ तबाही में मैं अपनी, मुँह पर तो
हर इंसान ने मुझे अच्छा बताया, कोई छोड़कर चला गया
किसी ने छोड़ दिया, तो किसी को कदर नहीं मेरी
और मैंने उन्हीं को मेरे जीवन के हिस्सों का
खूबसूरत किरदार बताया।

गुनगुन कौशिक
एम.ए. प्रथम वर्ष

''भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका''

आज जिस आजादी का जश्न हम बड़े धूम–धाम से मनाते हैं। ये उन वीर–वीरांगनाओं का वर्णन किये बिना अधूरा है। जिनकी वजह से हमें स्वतंत्रता मिली थी। मंगल पांडे, सुभाषचन्द्र बोस, चन्द्रशेखर, आजाद, लाला लाजपत राय, तात्या टोपे गाँधी, सुखदेव आदि का नाम आजादी की बात करते समय स्वतः ही हमारी जुबान पर आ जाता हैं। लेकिन ये सब आजादी का केवल एक पहलू है, क्योंकि आजादी उन महान वीरांगनाओ की भी देन थी, जो देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुई थीं। महिलाएँ अनेको यातनाएं सहने के बाद भी पीछे नही हटीं। उन्होंने सड़को पर उतर कर अंग्रेजों को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। 1857 की क्रान्ति में रानी लक्ष्मीबाई, वे महान वीरांगना थीं। जिन्होंने अपनी जान की परवाह किय बिना अन्तिम साँस तक अंग्रेजों से युद्ध लड़ा था। रानी के साथ ही झलकारी बाई, सुंदर, सुंदर, काशी, मोतीबाई आदि भी शामिल थीं। जो परछाई के रूप मे उनका साथ दे रहीं थीं। वही दूसरी तरफ लखनऊ में बेगम हजरत महल, जो कि अवध की शासिका थीं, वो भी अंग्रेजों का दमन करने मे लगी हुई थीं। उनके साथ रहीमी, उदा देवी, आशा देवी, रनवीरी वाल्मिकी, शोभा देवी, महावीरी देवी, भवानी देवी, शेषा वाल्मिकी आदि भी शामिल थीं, जिन्होने अंग्रेजों को चने चबा दिये थे।

भारत की आजादी वास्तव मे हैदरीबाई तथा अजीजनबाई जैसी क्रान्तिकारी महिलाओं की देन थी, जिन्होंने अंग्रेज अधिकरियों से खबर निकालकर भारतीय क्रान्तिकारियों तक पहुँचायी थी! इनके साथ ही मिस उषा मेहता जैसी महिलाएं भी थीं, जिसने गुप्त रेडियो स्टेशन के माध्यय से जनता को जागरुक किया था। अरुणा आसीफ अली जैसी वीरांगनाएं, जिन्होंने इंकलाब के नारे लगाकर ब्रिटिशों को चुनौती दी थी। कैसे भुलायी जा सकती हैं– मैडा भीखाजी कामा, नीरा आर्या, मैना कुमारी, सुशीला दीदी, दुर्गा भाभी, उर्मिला देवी जैसी वीर महिलाएं, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए घरों से बाहर निकलकर क्रान्तिकारियों की मदद की तथा अंग्रेजों को झुकने पर मजबूर कर दिया था। भारत की यह आजादी बीना कुमारी जैसी उस छोटी बच्ची की दास्तान है, जो भरी सभा मे ब्रिटिश गर्वनर को मारने का साहस रखती थी। महान थीं–सत्यवती, पार्वती देवी, मांत गिनी हजारा जैसी वीरांगनाएं जिन्होंने गिरफ्तार होने के बाद भी जेल में रहते हुए भी लोगों को प्रेरित किया। इन देश की महिलाओ के साथ–साथ कई विदेशी महिलाएं थीं (जैसे–एनीबेसेंट मीराबेन आदि) जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था।

भारत की आजादी के लिए अनेको महिलाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनके साहस, त्याग तथा देशप्रेम की ये भावना अद्वितीय एवं सराहनीय थी। महिलाओं ने घर से जेल, जेल से आजादी का सफर बड़े ही साहस के साथ तय किया था। उनके योगदान को देखते हुए यह भी कहा जाए कि केवल आहिंसात्मक आंदोलन से आजादी नही मिली, बल्कि महिलाओं के सक्रिय योगदान और बलिदान के कारण आजादी मिली है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं है।''

कु0 खुशी
बी०ए0 षष्टम् सेमेस्टर

''वेदों में उत्तम राज्य की परिकल्पना''

वेद हिन्दू धर्म के सबसे प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ हैं। वेदों को दुनिया का सबसे प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ माना जाता है। वेद शब्द ''विद'' धातु से बना है, जिसका अर्थ है–ज्ञान, विचार, सत्ता एवं लाभा ''ज्ञान का ही दूसरा नाम वेद है। यह वह ज्ञान है जो ब्रह्माण्ड के विषय में मनुष्यों को उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति और उसके उपयोग के उपाय बताता है। मनुष्य के जीवन को शुभ संस्कारो द्वारा सुसंस्कृत करने के लिए ऋषियों का ज्ञान वेदो में सुरक्षित है। जीवन के लिए आवश्यक ज्ञान वेदो सें प्राप्त होता है। वेदों की संख्या चार है– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद सबसे प्राचीन और प्रथम वेद है। इसका मूल विषय ज्ञान है इसमें विभिन्न देवताओं का वर्णन है तथा ईश्वर की स्तुति आदि। यजुर्वेद में यज्ञ एवं कार्यों के लिए मन्त्रों का वर्णन है। सामवेद उपासना के लिए प्रमुख है, इसमें संगीत में लगे सुर को गाने के लिए संगीतमय मंत्र है। अथर्ववेद इसमें गुण, धर्म, आरोग्य एवं यज्ञ के कवितामयी मंत्र है। वेदों को परम सत्य माना गया है। इसमे लौकिक. अलौकिक सभी विषयों का ज्ञान भरा पड़ा है। वेद ज्ञान–विज्ञान का अथाह भण्डार है। इसमें मानव की हर समस्या का समाधान है। अब हम बात करते हैं उत्तम राज्य के निर्माण की, तो हम वेदों को नही भूल सकते, वेदों में बताई गई व्यवस्था को अपनाकर हम उत्तम राज्य का निर्माण कर सकते हैं जैसे राष्ट्र के लोगों में मातृभूमि की भावना का होना, राजा का प्रजा द्वारा चुना जाना, इसी पद पर स्त्री एवं पुरुषों का समान अधिकार होना। राजा के अत्याचारी और कर्त्तव्यविहीन होने पर प्रजा और सभा–समीति द्वारा पदच्युत भी किया जा सकता है क्योंकि राजा कोई भगवान नही, बल्कि प्रजा का ही एक व्यक्ति है। राजा पर सभा एवं समीति का नियंत्रण होना आवश्यक है जिससे राजा के निरंकुश होने का भय नही रहता। वैदिक राज्य व्यवस्था में सुव्यवस्थित न्याय प्रणाली अधिक महत्व है। राज्य में स्वतन्त्र न्यायालय होने चाहिए और अपराधी को अपराध प्रमाणित हो जाने पर ही दण्डित किया जाएगा। वैसे तो वेद दण्ड देने को उचित नही मानते, वेद अपराधों को खत्म करने पर बल देते हैं।

अतः यदि हमें उत्तम राज्य का निर्माण करना है तो हमें अपने वेदों की ओर लौटना होगा और वैदिक प्रणाली को अपनाना होगा। इनकी दृढ़ आधारशिला पर भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का विशाल एवं भव्य भवन प्रतिष्ठित करना होगा।

कु० वर्षा
बी0ए0, चतुर्थ सेमेस्टर

चोटी से लौटे नहीं (ऑपरेशन सिन्दूर एक दर्द भरी कविता)

1. साँझ ढली, पर दीप न जले,
माँ की आँखें अब भी पथरा रहीं।
जो बेटा कहकर गया था–
जल्दी लौटूँगा माँ .....
वह बात हवा में ही रह गई।

2. सिन्दूर लिपटा ताबूत में,
बर्फ नही थी, वो राख थी।
जिसे चूमकर भेजा था,
वो अब खामोशी की बात थी।

3. ना फोन आया, ना चिट्ठी,
ना बूटों की आवाज
बस एक सलामी, और तिरंगा,
था आखिरी अल्फाज।

4. पिता की छड़ी थरथराई,
बहन की चुडियाँ टूटीं
जिसे विदा किया था हँसकर,
वो राख बनकर छूटी।

5. चोटी जीती, पर दिल हार गये,
हर तारे पर एक नाम लिखा।
जो सो गया, देश की खातिर–
उसने ही सपना देखा।

6. तिरंगा लहराया सिन्दूर से
पर मांगे रहे गईं सूनी।
शहादत की कीमत क्या होती है–
ये हर विधवा ने चुनी।

''ऑपरेशन सिन्दूर'' का नाम जीत से जुड़ा है,
पर जीत की एक कीमत होती है।
वो आँसू, वो चुप्पियाँ, वो सूनी गोदें
कभी न मिटने वाली कहानी होती हैं।

चंचल सोलंकी
बी.ए. षष्ठम् सेम.

उन्नत भारत अभियान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना उन्नत भारत अभियान के तहत महाविद्यालय द्वारा पाँच गाँव ढ़ांकर निजामपुर, इस्माइलपुर, बुढ़ैना, सीकरी, धराऊ, नगला मोहिद्दीनपुर को अंगीकृत किया गया। सत्र 2024–25 की गतिविधियों के अन्तर्गत यू0जी0सी0 के स्वयं पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कोर्स ब्वउउनदपजल मदहंहमउमदज ंदक ैवबपंस त्मेचवदेपइपसपजल के अन्तर्गत महाविद्यालय की 198 छात्राओं का पंजीकरण कराया गया। दिनांक 09.08.2025 को उ0प्र0 सरकार द्वारा निर्देशित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह पर विचार गोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज व उन्नत भारत की प्रभारी, प्रो0 रेखा चौधरी के निर्देशन में कराया गया। दिनांक 24.07.2024 को ग्राम मोहिद्दीनपुर में छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया। जुलाई, 2024 से दिसम्बर, 2024 तक प्रत्येक रविवार व अवकाश के दिनों में अंगीकृत गाँवों में हाउस होल्ड सर्वे किया गया तथा ग्रामीणों को स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी गयी। महाविद्यालय में इन अंगीकृत गाँवों से 08 छात्राओं का प्रवेश बी0ए0 में कराया गया। महाविद्यालय में चल रहे स्वरोजगार कार्यक्रमों में इन गाँवों की बालिकाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की।

दिनांक 02.10.2024 को अंगीकृत ग्राम मोहिद्दीनपुर में संचारी रोग से सुरक्षा सम्बन्धी ग्राम सभा का आयोजन किया गया। दिनांक 26.01.2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर अंगीकृत ग्राम ढ़ांकर में बाल सभा क आयोजन किया गया। दिनांक 22.09.2024 को ग्राम ढ़ांकर में स्त्री रोगों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा विशेष शिविर का आयोजन ग्राम सीकरी व ग्राम निजामपुर में किया गया तथा विभिन्न गतिविधियों जैसे नशामुक्ति अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, प्रधानमंत्री रोजगार योजनाओं की जानकारी इत्यादि आयोजित किये गये। न्ठ। इकाई प्रभारी प्रो0 रेखा चौधरी तथा खुर्जा की समाज सेविका एडवोकेट श्रीमती रंजना सिंह ने अंगीकृत गाँवों में पाठ्य सामग्री व खेलकूद सामग्री का वितरण भी किया।

प्रो0 रेखा चौधरी
प्रभारी, उन्नत भारत

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिभावान मेधावी व लगनशील एवं परिश्रमी सभी संवर्गों के छात्र–छात्राओं का विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय में दिनांक 01.07.2024 को निःशुल्क कोचिंग का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री दुर्गेश सिंह (एस0डी0एम0 खुर्जा), डॉ0 पदम्जा मिश्रा (कोर्स को–ऑर्डिनेटर, बुलन्दशहर) तथा महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज के द्वारा किया गया। वर्ष 2024–25 में कोचिंग के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ संचालित की गईं–

01.07.2024 – सिविल सेवा में कैरियरः संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर एस0डी0एम0, खुर्जा श्री दुर्गेश सिंह का विशिष्ट व्याख्यान।

12.08.2024 – समय प्रबंधन विषय पर सी0डी0ओ0 बुलन्दशहर श्री कुलदीप मीणा का विशिष्ट व्याख्यान तथा नशामुक्त भारत की शपथ का आयोजन।

02.12.2024 – Climate change and it impact : India Strategy विषय पर प्रो0 डिंपल विज, प्राचार्या, ए0के0पी0 डिग्री

कॉलेज, खुर्जा का विशिष्ट व्याख्यान

10.12.2024 – Inter Personal and Communication Skills विषय पर श्रीमती दिशा वर्मा स्लीपवेल फांउडेशन का विशिष्ट व्याख्यान।

श्रीमती एकता चौहान

संयोजिका, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

'कल्पना चावला एवं अपराजिता रेंजर्स इकाई

ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज, खुर्जा की रोवर/रेंजर्स की दोनों इकाइयों कल्पना चावला एवं अपराजिता इकाई का प्रवेश प्रशिक्षण शिविर दिनांक 23, 24 एवं दिनांक 26.04.2025 को लगाया गया जिसमें प्रथम इकाई कल्पना चावला एवं द्वितीय इकाई अपराजिता की प्रभारी क्रमशः डॉ0 अनामिका द्विवेदी एवं श्रीमती शर्मिष्ठा के निर्देशन में सभी रेंजर्स को छः–छः छात्राओं की टोली में विभाजित कर प्रत्येक टोली का नामकरण देकर टोली के नायक का चयन किया गया साथ ही प्रत्येक रेंजर्स को प्रशिक्षण के नियम व प्रतिज्ञा की जानकारी दी गई। प्रथम दिवस छात्राओं को स्काउट गाइड का इतिहास, उद्देश्य, लाभ तथा स्वागत धन्यवाद आदि पाँच प्रकार की तालियों का प्रशिक्षण भारत स्काउट गाइड बुलन्दशहर कार्यालय से आये कैप्टन श्री ओ0पी0 हंस जी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय दिवस रेंजर्स को हवन शिष्टाचार, टोली ज्ञान, पेट्रोलियम सिस्टम प्राथमिक चिकित्सा, विविध प्रकार की गाँठे और और बंधन तथा तंबू निर्माण का परिचय, गैजेट्स निर्माण, हस्तकला सामग्री व मार्ग की खोज के चिन्ह, स्वास्थ्य नियम, व्यायाम तथा सीटी व हाथ के संकेत को समझाने का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के तृतीय दिवस की सर्वधर्म प्रार्थना सभा, हवन शिष्टाचार खेलकूद, तंबू निर्माण, फूड प्लाजा तथा ध्वज अवतरण के साथ प्रशिक्षण शिविर का समापन किया गया।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में रोवर एण्ड रेंजर्स ने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 12.08.2024 को घर–घर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की रेंजर्स छात्राएँ स्काउट गाइड मुख्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों में भी सहभागिता करती हैं।

पुस्तकालय विभाग

प्रगति के पथ पर सतत् गति से अग्रसर होते हुए आर्य कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना 12 अगस्त सन् 1966 को हुई थी और इसी के साथ कॉलेज में पुस्तकालय स्थापित हुआ। सीखने, अध्ययन और शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकालय का स्थान सर्वोपरि है, यह अनिवार्य एवं आवश्यक साधन है। महाविद्यालय एक सामुदायिक संरचना होती है जिसका मस्तिष्क शिक्षक होता है, शरीर विद्यार्थी होते हैं और हृदय पुस्तकालय होता है। कॉलेज में पुस्तकालय का महत्व इसी प्रकार होता है जिस प्रकार शरीर में हृदय का होता है। महाविद्यालय का पुस्तकालय सुव्यवस्थित, चित्ताकर्षक समृद्ध है।

महाविद्यालय में शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के लिए एक उच्च कोटि के पुस्तकालय की व्यवस्था है। पुस्तकालय की व्यवस्था का श्रेय पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष स्वर्गीय श्री सुभाष भट्ट जी को है जिनके अथक प्रयास एवं श्रम से पुस्तकालय प्रतिवर्ष संवृद्ध होता रहा है। पुस्तकालय में शिक्षिकाओं हेतु सुरक्षित वाचनालय कक्ष, पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यालय, पुस्तक आदान–प्रदान काउन्टर, शोधार्थी कक्ष एवं छात्राओं के अध्ययन हेतु विशाल हॉल सभी आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण है। पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या लगभग 23573 है। प्राचार्या जी के मार्गदर्शन में लम्बे काल के बाद इस वर्ष पुस्तकालय को और सम्पन्न करने के उद्देश्य से एनईपी के नवीन पाठ्यक्रम की पुस्तकें भी आयातित की जा रही हैं जिसमें आज सत्र 2023–2024 तथा 2024–2025 में 117 व 419 पुस्तकें आ चुकी हैं। पुस्तकालय में निर्धन छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुक बैंक की व्यवस्था है, जिससे निर्धन छात्राएँ लाभान्वित होती हैं।

पुस्तकालय में छात्राओं के अध्ययन हेतु गहन अध्ययन कक्ष की स्थापना की गई है। इसमें विशेष रूप से मूल पुस्तकें, विषय से सम्बन्धित पुस्तकें, विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम, विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में

ही शोधार्थी कक्ष की व्यवस्था है जहाँ पर शोधार्थी शोध सम्बन्धित कार्य कर सकते हैं। गहन अध्ययन कक्ष में बैठकर पढ़ने के लिए कुर्सी, मेज, हवा, प्रकाश इत्यादि सुविधाओं की विशेष व्यवस्था उपलब्ध है।

आज किसी भी ग्रन्थालय की सफलता का मापदण्ड उसमें संग्रहीत पाठ्य सामग्री से होकर पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवायें हैं। यही कारण है कि पुस्तकालय में पाठक को सर्वोपरि मानते हुए उसको सभी प्रकार की सुवधाएँ प्रदान की जाती हैं। शीघ्र से शीघ्र पुस्तकें खोजने के लिए जिससे पाठक का समय बचे और उसे परेशानी न हो, आधुनिक वर्गीकरण व सूचीकरण पद्धतियाँ अपनायी गयी हैं। महाविद्यालय की समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर संस्थागत छात्राओं तथा शोधार्थियों को प्रतिदिन पुस्तकों के आदान–प्रदान हेतु महाविद्यालय में दो काउन्टरों की व्यवस्था है। उपरोक्त काउन्टरों से छात्राओं के अतिरिक्त कॉलेज शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी पुस्तकें आदान–प्रदान की जाती हैं। पुस्तकीय आदान–प्रदान सेवा पुस्तकालय के नियमानुसार छात्राओं को पुस्तकालय कार्ड पर निर्धारित समय के लिए की जाती है।

पुस्तकालय में पुस्तकों के अतिरिक्त पत्र–पत्रिकाओं का अपना एक विशेष महत्व होता है। छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में पत्र–पत्रिकाओं का अपना एक स्थान होता है। आज पुस्तकालय पाठ्य सामग्री के अतिरिक्त अन्य पठनीय सामग्री जैसे पत्र–पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, हस्तलिखित ग्रन्थ इत्यादि का संग्रह करते हैं। सूचना विस्फोट के इस आधुनिक युग में देश विदेश की नवीनतम सूचनाओं की सविस्तार पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से प्राप्त होती है। हमारे पुस्तकालय में सशुल्क प्राप्त होने वाली चौदह पत्र–पत्रिकाओं को निम्न सारणी में दर्शाया गया हैः–

क्र0स0	मैगजीन का नाम
1.	प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी व अंग्रेजी)
2.	कुरूक्षेत्र – ग्रामीण विकास पर एक जरनल (हिन्दी व अंग्रेजी)
	जरनल का नाम

1. आलोचना
2. शोध श्री
3. शोध दिशा
4. सहृदय
5. हंस
6. मीडिया विमर्श
7. योजना (हिन्दी व अंग्रेजी)
8. जीम श्रवनतदंस वप्दिकपंद स्पजमतंजनतम
9. सम्भाषण संदेश

उपरोक्त के अतिरिक्त पुस्तकालय में निःशुल्क पत्र–पत्रिकाएँ भी प्राप्त होती हैं, जैसे आर्यमित्र, आर्य सन्देश, आर्यावर्त केसरी, न्यू इन्डिया समाचार, ौस्फ बुलेटिन आदि।

प्रतिदिन की घटनाओं की जानकारी के लिए समाचार–पत्र आवश्यक है। समाचार पत्रों के माध्यम से विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही गतिविधियों की सूचना शीघ्रता से प्राप्त होती रहती है। हमारे महाविद्यालय पुस्तकालय में प्रतिदिन 04 समाचार पत्र उपलब्ध होते हैं। जिनमें मुख्यतः हिन्दी समाचार पत्र के रूप में अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान तथा अंग्रेजी में ज्पउमे वप्दिकपं की व्यवस्था है।

महाविद्यालय पुस्तकालय अपने उद्देश्य के प्रति पूर्णतः समर्पित होकर इस कॉलेज की समस्त छात्राओं को न केवल पुस्तकीय सेवाएँ प्रदान कर रहा है अपितु छात्राओं में पुस्तकालय की उपयोगिता की भावना को जागृत करता हुआ निरन्तर उन्नति के मार्ग

पर अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय की कर्मठ प्राचार्या प्रो0 डिम्पल विज जी के कुशल निर्देशन में पुस्तकालय का संचालन विधिवत रूप से हो रहा है तथा पुस्तकालय नित्य प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मनु आर्या

पुस्तकालय विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई

स्वयं से पहले आप के उद्घोष के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज, खुर्जा स्वच्छ सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व व चारित्रिक गुणों का विकास करने में तत्पर है। एन0एस0एस0 का मुख्य उद्देश्य सेवा के माध्यम से शिक्षा है। इसके माध्यम से स्वयंसेविकाओं के अन्दर नेतृत्व क्षमता का विकास होता है तथा उन्हें समाज की मुख्य धारा से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। सत्र 2024–2025 में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेविकाओं की सुप्त रचनात्मक प्रतिभाओं को जाग्रत करने का प्रयास किया गया। दिनांक 23.07.2024 को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिंपल विज के पावन निर्देशन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत स्वयं सेविकाओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अगस्त माह में दिनांक 07.08. 2024 को स्वयंसेविकाओं द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मनु आर्या के निर्देशन में स्वयंसेविकाओं द्वारा एक दिवसीय स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें स्वयंसेविकाओं ने यज्ञशाला परिसर, ओपन जिम परिसर तथा लघु उद्यान में साफ–सफाई की। दिनांक 09. 08.2024 को हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत तिरंगा यात्रा निकाली गई तथा भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए नशा मुक्त भारत की शपथ दिलवाई गई। दिनांक 26.10.2024 को मिशन शक्ति फेस–5 के अन्तर्गत महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमती एकता चौहान ने महिला हिंसा से सम्बन्धित शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न फॉरम हेल्पलाइन नम्बर की जानकारी प्रदान की। 1090 पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को समझाया।

दिनांक 21.11.2024 को ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज खुर्जा तथा वैगन आउटरीच संस्था के संयुक्त तत्वावधान में फूड प्लैनेट हेल्थ विषय पर जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से वेबीनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता अभिषेक दुबे ने वृक्ष आधारित वैगन जीवन शैली की महत्ता पर प्रकाश डाला आपने भोजन के पर्यावरण स्वास्थ्य और पशु पक्षियों से परस्पर संबंध को बताया। वर्तमान औद्योगिक पशुपालन के कारण से मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और पशु पक्षियों को हो रही हानि के बारे में बताया।

दिनांक 10.12.2024 को विकसित भारत क्विज चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जो कि विकसित भारत युवा नेता संवाद राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 की एक परिवर्तनकारी पुनर्कल्पना के अन्तर्गत मनाया गया। स्वयं सेविकाओं को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने हेतु द्विदिवसीय दिनांक 11.12.2024 तथा दिनांक 12.12.2024 को आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मिशन शक्ति के अंतर्गत मार्शल आर्ट अकैडमी खुर्जा के निदेशक अमित शर्मा व उनकी टीम ने सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी। दिनांक 16 दिसम्बर, 2024 को गुरु गोविन्द सिंह जी के पुत्रों के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से वीर बाल संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दिनांक 25.1.2025 को ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज, खुर्जा में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मतदाता जागरूकता रैली तथा वृहद रंगोली का निर्माण किया गया। दिनांक 25.02.2025 को द्वितीय एकदिवसीय शिविर ग्राम निजामपुर में लगाया गया। स्वयं सेविकाओं ने घर–घर जाकर ग्रामीणों की समस्याओं को जाना तथा ग्राम का सर्वे किया। दिनांक 27.02.2025 को तृतीय एकदिवसीय शिविर ग्राम निजामपुर में लगाया गया जिसमें ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाकर ग्रामवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। दिनांक 28 फरवरी से 06 मार्च तक विशेष शिविर का आयोजन प्राथमिक विद्यालय निजामपुर में किया गया। जिसमें स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत, भारतीय ज्ञान परम्परा व जीवन मूल्य, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत, आपदा प्रशिक्षण, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य परीक्षण, चुप्पी तोड़ो, प्रधानमंत्री योजनाएं, कौशल विकास प्रशिक्षण, बापू बाजार, मेंहदी प्रतियोगिता तथा सड़क सुरक्षा विषयों पर रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर निर्माण, व्याख्यान प्रशिक्षण आदि विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई। दिनांक 18 मार्च, 2025 को चतुर्थ एक दिवसीय शिविर निजामपुर में लगाया

डॉ. पदमा उपाध्याय वाद विवाद प्रतियोगिता
रोड सेफ्टी क्लब व स्वास्थ्य शिविर

युवा उत्सव ''उल्लास''

गया जिसमें नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। दिनांक 11 अप्रैल, 2025 को स्वच्छ कैम्पस स्वस्थ कैम्पस अभियान के अन्तर्गत स्वयं सेविकाओं ने परिसर की साफ–सफाई की। वृक्षों की निलाई गुड़ाई तथा रंगाई की गई। दिनांक 19 अप्रैल, 2025 को अग्निशमन सप्ताह के अतर्गत स्वयं सेविकाओं व महाविद्यालय की छात्राओं को अग्निशमन जैसी आपदाओं की ट्रेनिंग खुर्जा फायर स्टेशन की टीम द्वारा प्रदान की गयी।

रोड सेफ्टी क्लब रिपोर्ट

उच्च शिक्षा निदेशालय, उ0प्र0 तथा यातायात विभाग के आदेशों के अनुपालन में महाविद्यालय में प्राचार्या जी के मार्ग निर्देशन में दिनांक 08 सितम्बर, 2022 को रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया था। क्लब के गठन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के बीच सड़क सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। वर्ष 2024–25 में रोड सेफ्टी क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:–

09 अक्टूबर, 2024	–	नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन
12 नवम्बर, 2024	–	परिवहन विभाग व उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय स्तर पर क्विज,
	–	चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
09 जनवरी, 2025	–	जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं की प्रतिभागिता
भाषण प्रतियोगिता	–	इरम
चित्रकला	–	जिया
क्विज	–	संध्या
11 जनवरी, 2025	–	मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कु0 जिया का चित्रकला के लिए चयन व कु0 मायावती राजकीय महाविद्यालय में प्रतियोगिता
05 फरवरी, 2025	–	सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित रैली व सड़क सुरक्षा शपथ
25 मार्च, 2025	–	सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर महाविद्यालय में वॉल पेन्टिंग

श्रीमती एकता चौहान

प्रभारी

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग द्वारा सत्र 2024–25 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस सत्र के अन्तर्गत विभिन्न खेल एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। सत्र के प्रारम्भ में ही अन्तरमहाविधालय टूर्नामेंट के लिए सभी खेलों का ट्रायल लिया गया, जिसके अन्तर्गत खेल में कुशल छात्राओं का चयन कर उन्हें महाविद्यालय के विभिन्न टीमों में रखा गया। इसके पश्चात् 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया। जिसके अन्तर्गत डी0पी0 बी0एस0 कॉलेज, अनूपशहर के प्राचार्य प्रोफेसर गिरीश जी मुख्य अतिथि के रूप में रहे व प्राचार्य प्रोफेसर डिम्पल विज कार्यक्रम संरक्षिका के रूप में उपस्थित रहीं। इस आयोजन में भारत वर्ष के विभिन्न पारम्परिक खेलों का आयोजन नृत्य नाटिका व महिला सशक्तिकरण के ऊपर कई कार्यक्रम कराए गये। जिसमें महाविद्यालय की विभिन्न छात्राओं, शारीरिक शिक्षा विभाग, महाविद्यालय की सभी शिक्षिका व महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। इसके पश्चात् अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं में टीमों का प्रतिभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के द्वारा निर्धारित स्पोर्ट्स कैलेण्डर के आधार पर किया गया जिसमें सर्वप्रथम 07 नवम्बर, 2024 को महाविद्यालय की कबड्डी टीम ने नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन धूममानिकपुर में अंतरमहाविद्यालय कबड्डी महिला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महाविद्यालय की प्रथम सेमेस्टर की छात्रा

कुमारी खुशबू का चयन विश्वविद्यालय की टीम के लिए हुआ। इसके पश्चात् दिनांक 18.11.2024 को महाविद्यालय की कराटे टीम ने एस0 कॉलेज लखावटी बुलन्दशहर में प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिसमें कुमारी साक्षी व पंचम् सेमेस्टर में स्थान प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय व अन्तरविश्वविद्यालय में अपनी जगह बनाई 20 और 21 नवम्बर 2024 को महाविद्यालय की खो–खो टीम ने डी0एन0 पीजी कॉलेज गुलावठी में अन्तर महाविद्यालय खो–खो प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करके कुमारी सोनम ने विश्वविद्यालय की टीम में अपनी जगह बनाई।

दिनांक 13 नवम्बर, 2024 को महाविद्यालय की योगा टीम ने विश्वविद्यालय चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में अन्तरमहाविद्यालय योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया इसके इसके पश्चात् 27 नवम्बर से 29 नवम्बर तक महाविद्यालय की एथलेटिक टीम ने धूम मानिकपुर में नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन में प्रतिभाग किया। जिसमें शिवानी तोमर बी0ए0 प्रथम वर्ष ने लॉन्ग जम्प में तृतीय स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इसी सत्र में दिनांक 28.01.2025 को क्रिकेट महिला टीम का ट्रायल कॉलेज मेरठ में लिया गया जिसमें हमारी क्रिकेट महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया जिसमें पंचम् सेमेस्टर से कुमारी अंशु ने विश्वविद्यालय की टीम में अपना स्थान बनाया इसके पश्चात् 04 फरवरी, 2025 को विशु अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन बड़ौत जे0वी0 कॉलेज बड़ौत में कराया गया जिसमें हमारे महाविद्यालय की दो छात्राओं ने प्रतिभाग किया कुमारी अंजली ने प्रथम स्थान व कुमारी प्रिंसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया दिनांक 18.02025 को कॉलेज लखावटी में बेसबॉल का ट्रायल हुआ। जिसमें महाविद्यालय की पाँच छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें कुमारी भारती और कुमारी माधुरी का चयन विश्वविद्यालय टीम में हुआ जो कि पंचम् सेमेस्टर की छात्राएं हैं। इसके बाद दिनांक 08.2.2025 को सॉफ्टबॉल महिला/पुरुष ट्रायल कॉलेज लखावटी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय की दो छात्राओं ने प्रतिभा किया जिसमें कुमारी अंशु ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की टीम में अपनी जगह बनाई। इसी सत्र में 27 एवं 28 मार्च को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 600 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता ''जोश''

दिनांक 27.02.2025 को ए0के0पी0 डिग्री कालेज, खुर्जा में दो दिवसीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता ''जोश'' का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री विवेक कुमार बी0डी0ओ0 खुर्जा, विशिष्ट अतिथि श्री रवि राणा अध्यक्ष पाटरी एसोसिएशन, उधमी श्री दर्शन चटवाल भी जे0डी0 गौतम व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिम्पल विज एवं खेलकूद शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रभारी प्रो0 साहिल ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं शांति के दूत कबूतर उड़ाकर किया।

शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रभारी प्रो0 साहिल ने बताया कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ''जोश'' का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। दो दिवसीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय की लगभग 800 छात्राएं प्रतिभाग कर रही हैं। इस वर्ष मार्च पास्ट स्लो साइकिल, खो–खो, कबड्डी इत्यादि का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि श्री विवेक कुमार ने शारीरिक शिक्षा को स्वास्थ्य से जोड़ते हुए कहा कि खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ समग्र व्यक्तित्व का विकास होता है। श्री रवि राणा ने कहा कि महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के पद पर अग्रसर है। इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं से छात्राओ में सीखने की क्षमता, सामाजिक योग्यता, आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है। श्री दर्शन जी ने छात्राओ को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डिम्पल विज ने सभी छात्राओं को खेल की गरिमा बताते हुए खेलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल बहुत अच्छी शारीरिक गतिविधि है जो तनाव एवं चिन्ता से मुक्ति प्रदान करती है। इसके पश्चात् महाविद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें जुंबा नृत्य, नुक्कड़ नाटक, योगासन, एक्रोबेटिक्स, एरोबिक्स करके दर्शकों का मन मोह लिया। दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के प्रथम दिवस स्पोर्ट्स टीम कैप्टन सोनम ने सभी छात्राओं को खेलभावना की शपथ दिलायी।

दिनांक 28.02.2025 को ए0के0पी0 डिग्री कॉलेज, खुर्जा में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता "जोश" के द्वितीय दिन का आरम्भ शार्ट पुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, रस्साकसी व क्रिकेट के साथ हुआ। दो दिवसीय खेल महोत्सव जोश के समापन सत्र का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री आशीष जी जिला रोजगार अधिकारी, विशिष्ट अतिथि प्रो0 अरविन्द

मिश्रा प्राचार्य आई0पी0 कालेज, श्री जयवीर सिंह, श्री शलभ सिंहानिया तथा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 डिंपल विज ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर की। खेल प्रभारी प्रो0 साहिल ने बताया की मार्च पास्ट में बी0ए0 प्रथम वर्ष की टीम विजयी रही। कबड्डी में बी0ए0 पंचम् व तृतीय वर्ष की टीम विजयी रही तथा खो–खो में टीम ऑरेंज ने तथा क्रिकेट में ऑरेंज राइडर्स ने सफलता प्राप्त की। एकल खेलों में बाधा दौड़ में मुस्कान प्रथम स्थान पर रही व द्वितीय स्थान पर तनु राघव रही। स्लो साइकिल में प्रथम स्थान पर शिवानी तोमर व दिव्तीय स्थान पर ज्योति रही। 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर नन्दिनी द्वितीय स्थान पर शिवानी रही। 200 मीटर रेस में प्रथम स्थान पर रूबी व द्वितीय स्थान पर सरिता रही। 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर प्रियंका शर्मा व द्वितीय स्थान पर अनामिका राघव रही। शिक्षिकाओं के मध्य हुए कुर्सी दौड़ व ड्रेसिंग अप गेम में श्रीमती एकता चौहान प्रथम स्थान पर रही। सभी विजयी प्रतिभागियों को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य जी ने सभी आगन्तुक अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए छात्राओं से आह्वान किया कि वह निरन्तर प्रगति के पद पर अग्रसर हो। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

हिन्दी अध्ययन एवं शोध-केन्द्र

महाविद्यालय के हिन्दी अध्ययन एवं शोध–केन्द्र लगभग चार दशकों से स्थापित है। शोध केन्द्र द्वारा अब तक लगभग 28 पी0एच0डी0 विभिन्न विशयों पर सम्पन्न हो चुकी है। साथ ही विगत वर्शों में 15 लघु–प्रबन्ध भी पूर्ण कराये गये हैं। वर्तमान समय में 12 शोधार्थी पंजीकृत हैं तथा नियमित रूप से अपना कार्य कर रहे हैं। इनमें से पूर्व प्राचार्या डॉ0 शशि प्रभा के निर्देशन में दो शोधार्थी श्री सुशील कुमार तथा श्री दीपक कुमार पंजीकृत हैं। शोध केन्द्र की प्रभारी प्रो0 रेखा चौधरी के निर्देशन में वर्तमान में छः शोधार्थी कु0 निवेदिता स्वरूप, श्रीमती योगेश सिंह, श्रीमती सुनीता, श्री नरेन्द्र कुमार, श्री अरूण तोमर तथा श्री अखिलेश कुमार कार्य कर रहे हैं। सेवानिवृत्त शिक्षिका डॉ0 कल्पना माहेश्वरी के निर्देशन में एक शोधार्थी कु0 नीतू तिवारी शोधरत् हैं। विभाग की शिक्षिका डॉ0 अनामिका द्विवेदी के निर्देशन में इस समय तीन शोधार्थी नियमित रूप से शोधरत् हैं। श्रीमती प्रभा शर्मा, श्री सुमित कुमार उपाध्याय, तथा श्री तनवीर अहमद।

सत्र 2024 में प्रो0 रेखा चौधरी के निर्देशन में कार्य कर रहे शोधार्थी श्री मनोज कुमार तोमर की पी0एच0डी0 का ओपन वायवा दिनांक 30.09.2024 को सम्पन्न हुआ। इसमें डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर वि0वि0 दिल्ली के प्रो0 गोपाल प्रधान जी परीक्षक थे। मनोज कुमार तोमर का शोध विशय था– ''इक्कीसवीं सदी के बाल साहित्य का मनोवैज्ञानिक दृश्टि से अध्ययन'' दिनांक 29.11.2024 को श्री मनोज कुमार को विश्वविद्यालय ने विद्या वाचस्पति का प्रोविजनल डिग्री प्रदान की।

इसी क्रम में डॉ0 शशि प्रभा त्यागी के निर्देशन में कार्य कर रहे शोधार्थी श्री अनुज कुमार चौहन का ओपन वायवा दिनांक 07.11.2024 को सम्पन्न हुआ। अनुज कुमार चौहान की मौखिकी के लिए परीक्षक के रूप में दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो0 दीपक प्रकाश जी उपस्थित थे। शोधार्थी का विशय– ''अमरकान्त के कथा साहित्य में युग बोध'' दिनांक 29.11.2024 को शोधार्थी अनुज कुमार चौहान को विश्वविद्यालय द्वारा प्रोविजनल डिग्री देकर डाक्टरेट की उपाधि प्रदान की गयी।

इसी क्रम में डॉ0 शशि प्रभा त्यागी के निर्देशन में कार्य कर रही शोधार्थी श्रीमती रीता सिंह का ओपन वायवा दिनांक 16.11.2024 को महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ। श्रीमती गीता सिंह का शोध विशय ''मैत्रेयी पुश्प के कथा साहित्य का सामाजिक अध्ययन'', वाह्य परीक्षक के रूप में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार से प्रो0 सुचिता मलिक जी उपस्थित थी। दिनांक 29.11.2024 को विश्वविद्यालय द्वारा प्रोविजनल डिग्री प्रदान कर शोधार्थी सिंह को डाक्टरेट की उपाधिक प्रदान की गयी।

ओपन वायवा सम्पन्न कराने से पूर्व उक्त सभी शोधार्थियों का पूर्व पी0एच0डी0 शोध सार प्रस्तुति सेमिनार आयोजित हुई। जिसमें दिनांक 12.01.2024 को डॉ0 रेखा चौधरी जी के निर्देशन में कार्य कर रहे शोधार्थी मनोज कुमार तोमर ने अपने शोध विशय ''इक्कीसवीं सदी के बाल समाज का मनोवैज्ञानिक दृश्टिकोण से अध्ययन'' विशय पर शोध सारांश प्रस्तुत किया। इसी क्रम में दिनांक 17.05.2024 को डॉ0 शशि प्रभा त्यागी जी के निर्देशन में कार्य कर रही शोधार्थी श्रीमती गीता सिंह ने अपने शोध विशय ''मैत्रेयी पुश्पा के कथा साहित्य का सामाजिक अध्ययन'' तथा शोधार्थी श्री सुशील कुमार ने अपने शोध विशय ''अखिलेश के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय जीवन की अभिव्यक्ति'' विशय पर अपना शोध सारांश प्रस्तुत किया। डॉ0 शशि प्रभा त्यागी के

शोधार्थी अनुज कुमार चौहान की शोध–सार प्रस्तुति सेमिनार दिनांक 21.02.2022 को महाविद्यालय में सम्पन्न करायी गयी।

शोधार्थी सुशील कुमार का ओपन वायवा प्रस्तावित है, शीघ्र ही विभाग द्वारा सम्पन्न कराया जाना है। शोधार्थी श्री नरेन्द्र कुमार के शोध का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। शीघ्र ही उनका पूर्ण पी0एच0डी0 शोध–सार प्रस्तुत सेमिनार कराया जाना प्रस्तावित है।

शेष सभी शोधार्थी नियमित रूप से अपने शोध कार्य में तल्लीन हैं साथ ही महाविद्यालय के अध्यापन परीक्षण तथा प्रवेश एवं कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। उत्कृश्ट शोध कार्य हेतु महाविद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी भाशा एवं साहित्य से सम्बन्धित श्रेश्ठ पुस्तकों का संग्रह है। 'आलोचना', 'हंस', 'मीडिया विमर्श' जैसी साहित्यिक पत्रिकाएँ नियमित आ रही हैं। 'सहृदय' शोध–दिशा 'शोध–श्री' आदि शोध से जुड़ी पत्रिकाएँ शोधार्थियों हेतु नियमित रूप से पुस्तकालय में उपस्थित हैं।

महाविद्यालय के शोध–केन्द्र के शोधार्थी राश्ट्रीय एवं अन्तर्राश्ट्रीय संगोश्ठियों में नियमित प्रतिभाग कर रहे हैं। साथ ही शोध–पत्रिकाओं में अपने विशय से जुड़े रिसर्च–पेपर भी प्रकाशित करा रहे हैं।

डॉ0 रेखा चौधरी

हिन्दी विभाग एवं प्रभारी–शोध परिशद

I.I.C Report

In the session 2024–25, under the I.I.C. Report prepared by Smt. Ekta Chauhan & Dr. Swarnali De A.K.P. Degree College, Khurja, (Bulandshahar) in collaboration with Prof. Yogita Sharma, Dean Students Welfare, Manav Rachna University conducted an one day workshop programme on the topic "Innovating for Impact Creating Sustainable and Scalable ventures by the future", on 13-12-2024 at the Smart Room, A.KP. Degree College, Khurja.

The programme was attended by 50 students as well as by one of the faculty Dr. Abha Shukla Kaushik, Department of English, A.K.P. College, Hapur.

The objections of the workshop was to extract …… innovative business models from the participants, to make them aware entrepreneurial opportunities, market demands, scaling profit and identifying and managing risen factors.

स्वरोजगार कार्यक्रम

हिन्दी अध्ययन शोध परिषद व कैरियर काउंसलिंग सेल

O! Warrior You're Brave

O! Warrior you are brave
No one can stop you
If you have an iron will
Never loose hope
If your journey is uphill
Success will be all yours
And beautiful destination
You can find
If you are determined
All your wishes and dreams
Will come true soon
After sun set
There is a shiny moon
Don't give up when faced with
Twist and turns
For beautiful shiny days
Sun also burns
And the day will come soon
When you will forget all the pain
Try again, Try once more
Then the success will be yours to gain .....
Journey is the flower
And success is the fragrance
Don't run away, face the problem
Nothing can shake you
Whether it is mountain
Or fence You will find soon
What you brave
O! Warrior you are brave
O, Warrior .....
Frequently screaming the sea wave
O! Warrior you are brave
Please believe, this struggling time
Is brief .....
Indeed there is ease
After grief .....
No matter how many times
You fall down
Please rise again
It is all about winning a brown
Definitely you will succeed one day
Go warrior go You are on the way
Don't quit no matter what
Expectations say
O~ warrior you are brave

Iram
M.A. 2nd Sem.

NORTH EAST INDIA: UNSUNG HEROES

India comprises 28 states, among which 8 states (Arunachal Pradesh. Assam, Manipur, Mizoram, Nagaland, Sikkim and Tripura) are located in the northeastern region, celebrated for their cultural diversity and natural landscapes. The northeastern region of India often regarded as 'Seven Sisters' and Sikkim referred as "brother. The term Seven Sisters was coined by Jyoti Prasad Saikia, a journalist from Tripura, during a radio talk show in January 1972.

In 1971, a nodal agency was formed, officially known as North Eastern Council (NEC) for the development of northeastern states. The entire region is connected to the main land through a narrow corridor called as 'Chicken Neck". The Guwahati in Assam is referred as the 'Gateway to the North East'. The northeastern states cover an area of 262,179 sq. km. There are more than 200 different ethnic groups residing in these states, each group with its own dialect and script.

PRE INDEPENDENCE AND POST INDEPENDENCE ERA:

The British Raj took control over the north eastern states with the annexation of Burma following a series of wars known as Anglo- Burmese war and subsequently established its control of Assam and Manipur. A peace treaty had been signed between British and Burmese called the "Treaty of Yandabo' on 24th February 1826. In order to expand its authority, the British started annexing the different territories of the region. The northeastern states constantly challenged the British control in India, in the form of tribal uprisings. Towards the end of 20th century, these uprisings took a more nationalist form and played a huge role in India's struggle for freedom. Some of the legends are U. Tirot Singh from Khasi Hills, Bhogeswari Phukanani from Assam, Rani Gaidinliu from Manipur.

At the time of independence in 1947, there were only three states namely Assam, the princely states of Manipur and Tripura. Assam was the first state which got statehood with the rest of the country in 1947, followed by Nagaland in 1963. In 1972, three states- Meghalaya, Tripura and Manipur gain statehood. Arunachal Pradesh was granted statehood in 1975 and Mizoram in 1987. And finally Sikkim was added as an Indian State in 1975 and integrated with other northeastern states in 2002. It is crucial to highlight that the creation of these states relies on ethnic and tribal identities.

UNSUNG HEROES

Tileshwari Barua : Tileshwari Barua was born in the Dhekiajuli district of Assam. She joined a mrityu vahini, or suicide squad, when she was 12 years old. On September 20, 1942, Monbor Nath led the Mrityu Bahini to the Dhekiajuli Police Station and attempted to hoist the flag by climbing atop the station. That day's shooting claimed the lives of fifteen persons Martyrs' Day is celebrated on September 20 in Dhekiajuli, a town in Assam's Sonitpur district Tileswari Barua, then 12, was shot by the British during the Quit India Movement as she and a group of freedom fighters sought to raise the Tricolour above a police station.

Ka Phan Nonglait : Ka Phan Nonglait was a Khasi Hills freedom fighter hom in 1799, considered the first woman freedom fighter from the region. She is known for assisting U Tirot Sing, who is regarded as the hero of the Khasi Hills in his fight against the British, notably by providing refreshments to British soldiers, taking their weapons and throwing them into a waterfall, and even allegedly killing 32 British soldiers. She passed away in 1850. She played an instrumental role in restoring and upholding the dignity of the Khasi tribe. "Ka Phan Nonglait A Lady Freedom Fighter of India," a book about her life was written by Daniel Stone Lyngdoh, was published.

Rani Gaidinliu : Rani Gaidintiu was born in January 26, 1915 in present day Tamenglong district of Manipur and died in 1993. At the age of 13, she joined Heraka Movement, which sought to abolish British authority by establishing naga self government and revival the naga tribal religion. At the age of 16, she was arrested by British rulers and sentenced her life imprisonment. After being released in 1947, she continued to work for the betterment of the community. Jawaharlal Nehru called her the "daughter of the hills" and gave her the title of "Rani' for her bravery. She was also awarded a Padma Bhushan in 1996 and 2015, the Indian government released a postal stamp and commemorative coin in her honor.

Ngulkhup Haokip : The leader of the Kuki militia organization organized a rebellion and fought against the British forces growth. Following the Anglo-Kuki War (1917-19), the British captured him and imprisoned him in Imphal and later Assam. Despite numerous attempts to convince and coerce him into surrendering. Ngulkhup Haokip refused to surrender to the British until he was caught, earning him the nickname "Kuki War Hero."

SUM UP

The diverse landscapes, dialects, and customs of each state add to Northeast India's rich fabric. With their vibrant cultures and abundance of natural resources, the northeastern states of India are a symbol of grace and tradition. These states struggle with issues including political instability, economic underdevelopment, and poor infrastructure despite their ecological bounty. Initiatives like the "Act East Policy" seek to enhance connectivity and promote economic growth by fostering ties with Southeast Asia.

Sakshi Agrawal
Guest Lecturer

NOISE & MENTAL HEALTH

Mental health does not mean the absence of mental illness. However, mental health refers to a person's overall emotional, psychological and social well-being.It influences how individual thinks, feels & behaves & how they cope with stress relate to others & make choices. Where the noise is a sound that is loud or unpleasant noticeably or undesirably.
The studies found that the unpleasant sound adversely impact the mental health of an individual. The following are the effects of noise on mental health.....

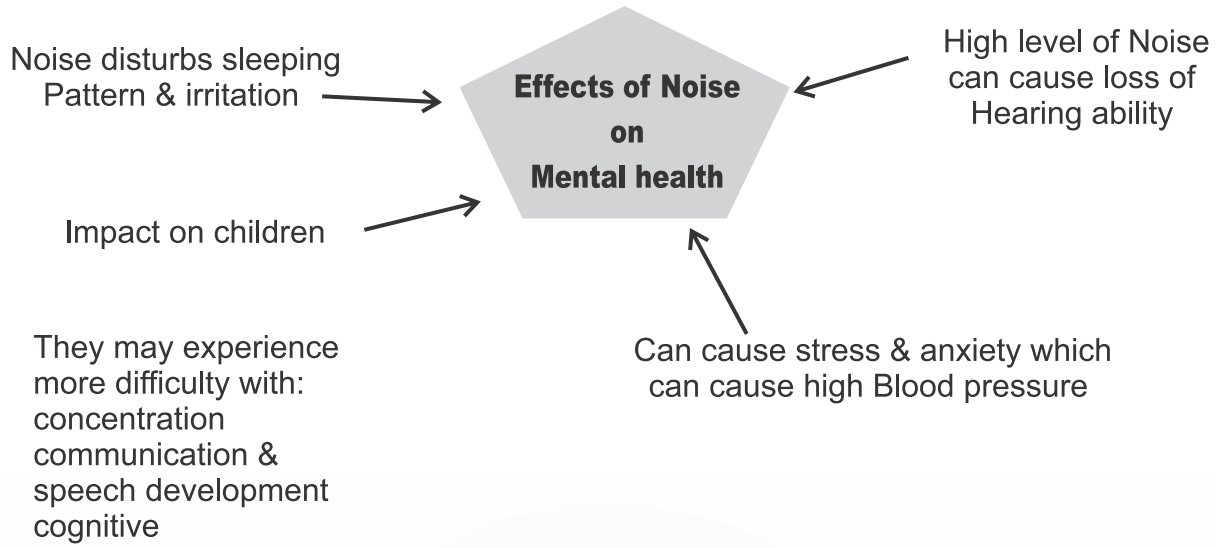

How to reduce polluted noise or noise pollution:

- Reducing noise from appliances
- Reducing noise from media devices
- Repair or replace old machinery
- Sound proofing
- Create more quiet time
- Ear protection

Noise pollution significantly impacts public health. Research suggests it can raise stress, affect mental health and contribute developing health issues such as Blood Pressure.

Direct exposure to loud or persistant noise can also lead to hearing impairment. Children are particularly vulnerable to the negative health effects of noise pollution.

It may be possible to reduce levels of noise in the home, school or workplace with simple changes, such as sound proofing turning off devices.

Aeshwarya Verma
B.A. II Year
4th Sem.

Cyber Crime : A Threat To Society

A Cyber crime is a crime involving computer and networks. The computer may have been used in the execution of a crime or it may be the target. Cyber crime may defined as "Any unlawful Act where computer on communication device on computer network is used to commit or facilitate the commission of a crime". Cyber crime can attacks in various ways there is some most common cyber crime attack mode. It is an of going unauthorized access to a computer system or network. Theft of software by illegally copying genius programs or counterfeiting. It also includes the distribution of products intended to pass for the original.

Cyber crime is the criminal act which takes place over the interest through computer as tools or targets or other smart devices meant for making our words easer. The hackers or criminals are having various motives of the crime. They may be involved to cause a loss to an individual some organization or government. Several examples of cyber crime include (frauds identity thief cyber stalking creating and sending malware like viruses for destroying the system or steal the data to make money. People involved in such activities find them as an easy way of making money even many of the well educated and knowledge full persons are involved in such activities.

Instead of using their mind in a positive way they employ themselves in Cyber crime activities. Day by day this is becoming a threat to our society and nation.

"Cyber Crime Awareness Among Youth in Society"

Cyber crime is emerging a very serious threat in today's world. The internet brings happiness to our lives but of the some time, if has some negative side too. The Cyber crime is always in a search to find out the new ways to attack the possible internet victims. The new generation is grouting up with computer and most important is that all monetary transactions are moving on to the internet. So, it has become very important for us to be aware of the various cyber crimes beings committed with the help of computer. Cyber crime is defined as the "illegal activity done using the computer system and the internet" which is punishable by law, with inercasing in the fast internet Penetration.

The nature of crime has evolved with technology. Earlier, crimes used to be conducted physically at a place. Now, however, crimes are carried out from a distance using the cyber space. Such crimes are called cyber crimes. Over the past few decode, humans have become increasingly dependent upon digital products for the smallest of tasks, Cyber criminals use this exact fact to commit heinous crimes such as robberies, hacking cyber stalking, phishing etc.

The most common type of cyber crime is hacking in which a person or a group of persons break into a system used by government or private individuals to do activities that are not authorised to do. Another type of cyber crime that is now becoming very effective is identify theft in which personal information about a person, such as their, address and government ID number, may be stolen and used fraudulently.

Sakshi
B.A. II Sem

Climate Change and Mental Health: An Analysis of College Students

The widespread consequences of human caused global warming are indisputable. While once considered a distant threat, the damage climate change has already worked on the planet has and will continue to transform vital aspects of our world. While climate change undoubtedly poses significant impact to physical health, as nearly 12.6 Million preventable deaths, as per year are attributed to environmental changes, recent literature indicates that anthropogenic climate change negatively affects mental health as well. It has been estimated that, in individuals who experience extreme weather phenomena, a direct impact of climate change, between 25% and 50% will develop harmful mental health symptoms that directly impact their quality of life.

The impact appear to be multifaceted and complete. A common initial response to experiencing a traumatic event, including a climate change related disaster (hurricanes, wildfires and tarnadoes) appear to be parallel with the symptoms of a trauma response-avoidance, guilt rumination, hyper vigilance and nightmares, among other. Research shows that many of these symptoms improve over time, but a significant number of individuals develop diagnosable mental health disorder.

Current literature views climate change and its effects through one of these three lenses: as an outcome of acute climate related disaster such as floods, hurricanes, wildfires, or ternadoes, subacute climate change incidents which are after slow progressing and less visible can lead to gradual changes such as increased temperature, drought and air pollution or the potential prolonged effects of acute and subacute climate change related disaster and their chronic impact on the community health. It is suspected that the environmental changes related to climate change can result in economic losses, widely discussed threats to physical health, individuals being displaced from their homes due to property damage, social conflict and inter group violence, all of which can remarkably after mental health. Condition such as past traumatic stress disorder (PTSD) and suicide thoughts resulting from weather extremes and natural disorder may stem from weather extremes and natural disorder may stem from witnessing the serve injury of deaths of family or friends or forced displacement from ones home. Additionally, other climate change-related disorder such as heat waves may lead to the exacerbation in of schizophenia and psychosis and exacerbations in acute and chronic mental health disorder can be witnessed in both elderly, children and young adult alike, The emerging evidence of damaging effects of climate change on mental health under cares the necessity for further investigation.

Gauri

B.A. II Sem

Emotional Intelligence and Adjustment

Emotional intelligence has been recognized as the ability to recognize interpret manage, access and react to not only one's emotions but also the emotions of other. Individuals with high degree of emotional intelligence know themselves very well and are also able to sense the emotions of others. Although emotional intelligence was explored and defined before as "the ability to perceive emotions; to access and generate emotions so as to promote emotional and intellectual growth" (Salovey & Mayer 1990) " but the term gained popularity with the publication of the book" Emotional intelligence: Why it can matter more than Job by psychologist and behavioral science journalist Daniel Goleman in 1995.

Goleman (1998) defined emotional intelligence as the capacity for recognizing our own feeling and those of others, for motivating ourselves and for managing emotional well in ourselves and in our relationships. "Bar-on (1997) defined emotional intelligence as" an array of non cognitive capabilities, competencies and skills that influences one's ability to successes in copying with environmental demands and pressure. "The ability to perceive emotions to reflectively regulate emotions in ways that promote emotional and intellectual growth". Mayes, Salovey & Carsuoo 2004 revised definition emotional intelligence is your ability to recognize and understand emotion in your self and other and your ability to use this awareness to manage your behavior and relationships.

Adjustment : refers to a continuous process in which individuals modifies his behavior in order to create a more harmonious association between himself and his surroundings. It can also be viewed as a state of balance between the individuals and his surroundings. Adjustment has been defined as the process of finding and adopting modes of behaviour suitable to the environment or the change in the environment.

Adjustment has been as the process of finding and adopting modes of behaviour suitable to the environment or the change in the environment (Good 1959). Shaffer defined adjustment as the process by which a living organism maintains a balance between its between needs and the circumstances that influence the satisfaction of these needs". Adjustment, in psychology, refers to the behaviour and the obstacles of their environment adjustment (Searle & word 1990)

Tanisha Chauhan
B.A. II Sem

सिन्दूरस्य हेतुना वीरगाथा

पहलग्रामे हताः जनाः दुखेन कम्पितं मनः।
तदा सन्देशो दृढ़ः जातः, ''दण्डः स्यात् आतङ्किनाम्।।

सप्तमे मई दिनाङ्के, संचालितं सिन्दूरयुद्धम।
नव स्थलेषु लक्ष्याणि विनाशितानि दृढ़ेन धैर्येण।।

राइफेल विमानैः सह, ब्रह्मोस्मिसाइल प्रयोगतः।
आकाशे च पाताले च, शत्रवः नष्टाः सन्ति।।

हेरोन् हारोप ड्रोनैः च, स्वयं चालितैः यन्त्रैः सह।
लक्ष्येषु प्रहारः कृतः, सैन्यस्य तेजसां सह।।

षड्शतानि ड्रोनाः ये, पाकद्वारा प्रेषिताः।
भारतीय वायु रक्षा, तान् सर्वान् नाशयत् क्षिप्रम्।।

अकाश शील्ड डी–4 प्रणाली, स्वदेश निर्मितास्त्रयः।
संरक्षणं चक्रुः त्वरितं, दुश्मनस्य योजनायाः।।

ना केवलं सैन्यबलम्, राजनीतिकं च साहसम्।
सिन्धुजलसन्धिः स्थगिता, पाकस्स निर्भरता हता।।

विश्वे भारतस्य नीतिः, दृढ़ा स्पष्टा निर्णायिकाः।
आतङ्कस्य विरोधेन, प्रदर्शिता दृढ़प्रतिज्ञा।।

जयतु भारतमातृभूमिः, जयतु वीर सैनिकाः।
सिन्दूरस्य युद्धं स्मरणीयं शौर्यस्य अमर गाथा।।

बुलबुल सोलंकी
बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

अन्तिम काले मा

जीवनस्य अन्तिमकाले
बहु वक्तुकामा आसीत् मा
परं वाणीः
अन्तकाले साहायं अस्थगत्
हस्तौ पादौ तु पूर्वतः मृतप्रायाः आसन्
सा किमपि वक्तुं मुखम् उद्घाटयति स्म
परं केवलं फुसफुस इति अस्पष्टा ध्वनिरश्रूयत

गृहस्य सर्वे जनाः तां परितः आसन्
सा किमपि कथितुं प्रयतते स्म
वयं तस्याः वक्त्र समया
कर्णान् योजयन्तः स्म

पश्चात् अन्योन्यं पश्यामः स्म
एतावत्सु जनेषु
कोऽपि परिचितः स्यात् तस्याः मनोरथैः
धनं क्षेत्रं वा किमपि नासीत् तस्याः पार्श्वे
यस्य विषये वक्तुकामा भवेत्।

पुनः का वार्ता आसीत्
या कथयितुं पुनः व्यर्थं प्रयतते स्म
सा पुनः पुनः मां निरीक्षतेस्म
स्यात् आशा भवेत्
यत् कवितां लिखन्नस्ति
एतावत्सु एषः बोद्धा भवेत्
यत् तस्याः अकथितमनोभावान्
अवगच्छेयम्।।

(मणि मोहने रचिता मा कवितायः अनुवादः)

आरती शर्मा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

पापस्य पिता कः?

पुराकाले एकः ब्राह्मण आसीता स अध्ययनार्थं काशीमगच्छत् बहुवर्षं यावत् कठोर परिश्रमं कृत्वा स वेदवेदाङ्वित् सञजातः। तदा गुरोराज्ञया स समावर्तनसंस्कारं कारयित्वा गृहं प्रत्यागच्छत्। ग्राममागत्य स जनेभ्यो धर्मोपदेशं ददाति स्म। एकदा तस्य सभायां कश्चन कृषकोऽगच्छत्। स तं ब्राह्मणमपृच्छत् विप्रदेव भवान् बहुशास्त्रवित् वर्तते। मम एका लघ्वी जिज्ञासा अस्ति कृपया तस्य समाधानं करोतु। ब्राह्मणः अवदत् अवश्यं पृच्छतु। स अपृच्छत यत् ''पापस्य पिता कः अस्ति। प्ररनं श्रुत्वा पण्डितस्य शिरोभ्रमः सञजातः। स बहुधा अचिन्तयत् परं पापस्य पिता क इत्यस्योत्तरं ना प्राप्नोत्। तदा स स्वाध्ययनमपूर्णं मत्वा पुनः काश्यां प्रत्यावर्ततं। तत्र नैकेषां गुरूणां पार्श्वे अगच्छत्। तमेव प्रश्नमपृच्छत् परमुत्तरं नालभत खिन्नमनसा स मार्गे अटति स्म तदा एका गणिका तं तस्य खिन्नतायाः कारणमपृच्छत्, स अवदत् यत् लोभस्य पिता कः इति प्रश्नं एतदेव मम अस्वास्थय़स्य कारणं विद्यते। गणिका उवाच अलं भोः व्यर्थं कष्टे अस्ति भवान्। एषा समस्या तु अतीव सरला। अहमेतस्योत्तरं जानामि। ब्राह्मणः अवदत् तर्हि झटिति उत्तरं ददातु। गणिका अब्रवीत एतदर्थं भवान कतिपय दिवसेषु मम आवासे निवासं करोतु। प्रश्नं प्रष्टुकामः स तस्य प्रस्तावमनुमन्यंत। ब्राह्मणः भोजनं शौचादि कर्म च स्वयमेव करोति स्म। कस्यापि हस्तेन स्पृष्टं वस्तु न स्वीकरोति स्म। एकस्मिन् दिवसे गणिका तस्य पार्श्वमागच्छत् अवदत् च। स्वसेवायाः अवसरं मह्यमपि प्रददातु भवान् यदि भवान् मम रचितं भोजनं स्वीकरिष्यति चेत् अहं भवंते प्रत्यहं पंचस्वर्णमुद्रा अपि दास्यामि। एतत् श्रुत्वा स अचिन्तयत् सिद्धेन भोजनेन सह स्वर्णमुद्रा अपि। उभयोः हस्तयोः मोदकम्। प्रस्तावस्य स्वीकरणे विशिष्टा हानिर्न दृश्यते। स तां गणिकॉअवदत् भवती ध्यानं रक्षतु यत् मम प्रकोष्ठे गमनागमनं कुर्वतीं भवतीं कोऽपि न पश्येतं। सा गणिका तस्य प्रस्तावमङ्गीकृतवती। अपरिस्मन् दिवसे स्नानादिं कृत्वा शुद्धां भूषां धृत्वा गणिका सुस्वादु व्यंजनानि निर्माप्य ब्राह्मणस्य पार्श्वमच्छत्। अवदत् च भोजनं स्वीकरोतु भवान्। ब्राह्मणः मन्त्रादिमुच्चार्य भोजनं कर्तुमुपाविशत्। यथैव स स्थालिकातः अन्नं स्वीकर्तुं हस्तं प्रासारयत् तथैव गणिका वेगेन स्थालिकां सम्मुखतः अपसारयत्। ब्राह्मण क्रोधितः सन् उवाच कीदृशी धृष्टता क्रियते त्वया। सा अवदत् भवतः प्रश्नस्योत्तरमेतत्। ब्राह्मणोवाच भोजनेन मम प्रश्नस्य को सम्बन्धः? गणिका उदतरत् अस्ति सम्बन्धः पूर्वं भवान् केनापि स्पृष्टं वस्तु न स्वीकरोति स्म। स्वनियमपालनवृतौ किंचिदपि शैथिल्यं न अनुमिनोति स्म। परं स्वर्णमुद्रया लोभेन भवान् स्वनियमं परित्यक्तवान्। एतदेव भवतः प्रश्नस्योत्तर पापस्य पिता लोभो वर्तते। लोभस्य कारणाद् जनाः पापं प्रत्युन्मुखी भवन्ति।

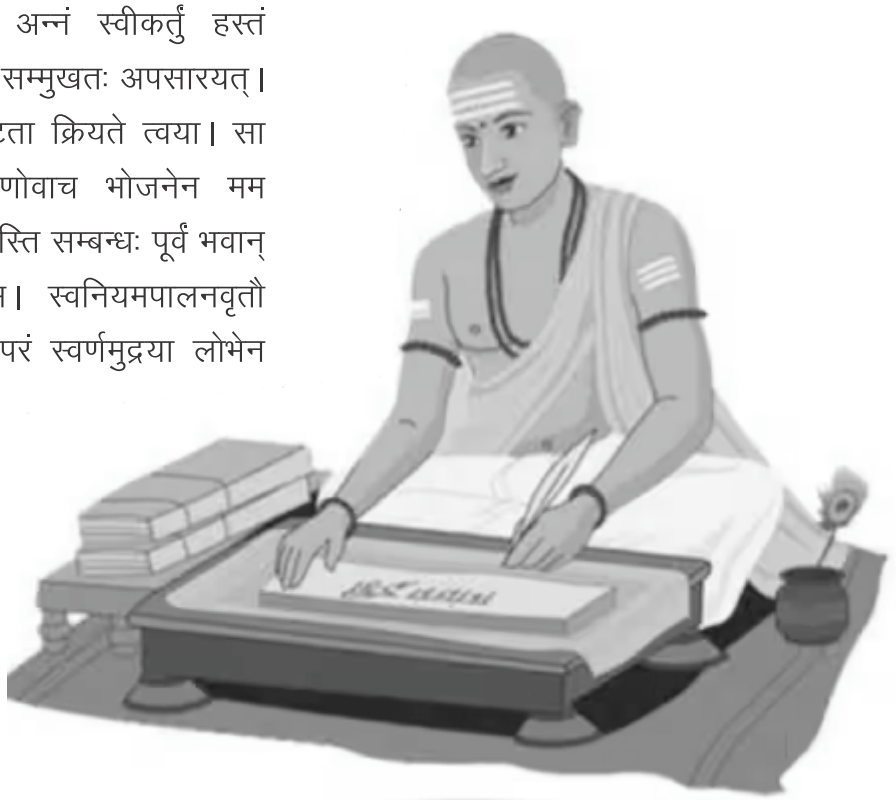

कु. हिना
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

हनुमतो यथार्थस्वरूपम्

बाल्मीकिरामायणे मर्यादापुरूषोत्तम श्रीरामचन्द्रमहाराज्ञः पश्चात् बलबुद्धिमेधाधृतिनीत्यादिगुणैर्भूषितो हनुमतो नाम आयाति। परमद्यत्वे हनुमतश्चित्रं पश्यामश्चेद् लांगलयुक्तो वानरो दृग्गोचरो भवति। इम चित्रं दृष्ट्वा मनसि अनेकानि प्रश्नानि प्रस्फुटन्ति। यथा–

(1) किम् अमितौजः हनुमान् यथार्थे वानरः आसीत्?
(2) किम् स लांगूलेन युक्तो आसीत्?
(3) किम् स अर्द्ध मानवः अर्द्धश्च पशुरासीत् ?

एतस्योत्तरं महर्षेर्वाल्मीकेर्ग्रन्थात् लब्धुं शक्यते।

तदर्थं दृष्टा मया वाल्मीकिना प्रणीतं रामायणम् !

किष्किन्धाकाण्डे यदा श्रीरामः प्रथमवारं ऋष्यमूकपर्वते हनुमता सह अमिलत। तदनन्तरं श्रीरामः लक्ष्मणमवोचत् यत्

नानृग्वेदविनीतस्य ना यजुर्वेद धारिणः।
नासामवेदविदुषः शक्यमैवं विभाषितुम्।।
नूनं व्याकरणं कृत्स्नमनेन बहुधा श्रुतम्।
बहु व्याहरतानेन न किञ्चिदपशब्दितम्।। वा0रा0 4/3/28, 29

ऋग्वेदज्ञानशून्यः यजुर्वेदविद्याहीनः सामवेदेन अनभिज्ञो मनुष्यः एवं संस्कृतं परिष्कृतदोषरहितं वाक् न वक्तुं शक्नोति नूनं एषः सम्पूर्ण व्याकरणशास्त्रमनेकधा पठितवान् यतोहि बहुव्याहरतानेन एकोऽपि दुष्टः शब्दो नोच्चारितः। संस्कारवती शास्त्रीय पद्धतिनाच्चारिता वाणी हृदयं पुलकीकरोति हनुमान अनेक भाषाविद वर्तते। अशोकवाटिकायां रक्षोभिः परिवृतां मातरं भगवतीं सीतां स्वपरिचयं दातुकामः हनुमान् चिन्तयति यत् द्विजातिरिव शुद्धां संस्कृतभाषां वदिष्यामि चेत् सीता माता मां रावणं मन्यमाना भीता भविष्यति। अतोऽहम् अवधक्षेत्रे प्रयुज्यमानां लौकिकीं भाषां वदिष्यामि।

यदि वाचं प्रदास्यामि द्विजातिरिव संस्कृताम्।
रावणं मन्यमाना मां सीता मीता भविष्यति।
वा.रा. सू.कां. 30/18

हनुमतः सामर्थ्यं प्रथमवारं तदा ज्ञायते यदा सुग्रीवेण प्रेषिताः अंगदजाम्बवन्तादयो वानराः समुद्रं प्राप्नुवन्। शतयोजनविस्तीर्णं सागरं दृष्ट्वा सर्वे स्व स्वसामर्थ्यं ऊचुः। परं कस्यापि सामर्थ्यं सीतायाः अन्वेषणार्थं पर्याप्तं नासीत। तदा जाम्बवान् हनुमन्तः तस्य सामर्थ्येन परिचयमकारयत्। जाम्बवतः ओजस्वी प्रेरकवचोभिः हनुमान् समुद्रं तरितु लंकां गत्वा पुनरागमनाय सन्नद्धः जातः। वायुवेगेन अर्थात् द्रुतगत्या समुद्रं तीर्णवान् ! अशोकवाटिकायां मातरं सीतां प्राप्य रावणस्य बलावलं ज्ञातुमुत्पातं प्रारब्धवान्। दूतोऽवध्यः इति वचनस्य कारणात वानराणां विशिष्टं चिह्नं लाङ्गूलं रक्षोभिर्दग्धं स तेनाग्निना तां लंकामेवाज्वालयत्। लांगूलकारणात् जनाः, हनुमन्तं वानर इति वदन्ति। परं लाङ्गूलं किष्किन्धाराज्ञः विशिष्टं प्रतीकचिह्नमासीत्। यं ते श्रद्धया धारयन्ति स्म। यथा आर्याणां शिखा यज्ञोपवीतञ्च तथैव तेषामपि तत् चिह्नमासीत्। द्वितीयः वानरशब्दः भ्रान्तिं, जनयति। यतोहि बन्दर इत्यस्य कृते बानर शब्दः यमुज्यते । वाचस्पत्यशब्दकोशे वानरशब्दस्य व्याख्या वर्तते यत वान्नं वनसम्बन्धिफलादिकमति गृह्णाति स वानरः। अर्थात् येषां मनुष्याणां जीवनं वन्यवस्तुष्वैव पूर्णरूपेण आश्रितं आसीत् ते वानर नाम्ना कथ्यन्ते स्म। अनेन ज्ञायते यत् वीरहनुमान् पशुविशेषः नासीत् प्रत्युत सम्पूर्ण वेदवेदाङ्गनिष्णातः अतुलितबलपराक्रमोपेतः प्रज्ञाविशिष्टगुणान्वितः महामानवः आसीत्।

अंजलि
बी0ए0 तृतीय वर्ष

श्रीमद् भगवद्गीतायामात्मनः स्वरूपम्

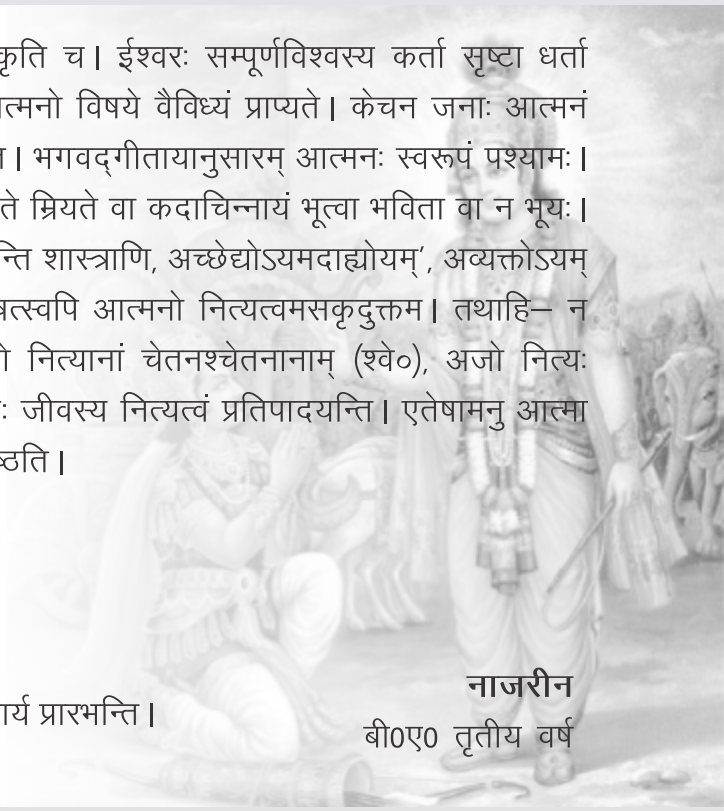

सृष्टौ त्रीणि तत्वानि नित्यान्यनादीनि स्वीक्रियन्ते ईश्वरः जीवः प्रकृति च। ईश्वरः सम्पूर्णविश्वस्य कर्ता सृष्टा धर्ता संहारकः कर्मफलदाता च मन्यते। प्रकृतिः परिणामिनि वर्तते। परं आत्मनो विषये वैविध्यं प्राप्यते। केचन जनाः आत्मनं परमात्मनः अंशमिति स्वीकुर्वन्ति। अपरे च आत्मानं पृथक तत्त्वं वदन्ति। भगवद्गीतायानुसारम् आत्मनः स्वरूपं पश्यामः। गीतायाः द्वितीयेऽध्याये भगवान् आत्मनो नित्यत्वं प्रत्यपादयत्—न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः। अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।'' नैनं छिन्दन्ति शास्त्राणि, अच्छेद्योऽयमदाह्योयम्', अव्यक्तोऽयम् चिन्तोऽयम्, इमे सर्वे श्लोकाः आत्मनो नित्यत्वं प्रतिपादयन्ति उपनिषत्स्वपि आत्मनो नित्यत्वमसकृदुक्तम। तथाहि— न जायते म्रियते वा विपश्चित् (क. 3.) ज्ञातौ द्वावजावीशनीशौ) नित्यो नित्यानां चेतनश्चेतनानाम् (श्वे०), अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे (क0)। इमाः सर्वाः श्रुतयः जीवस्य नित्यत्वं प्रतिपादयन्ति। एतेषामनु आत्मा परमात्मनः पृथक् स्वतन्त्र सतावान् अस्ति। या च प्राणिषु जीवरूपेण तिष्ठति।

अपरेयमितस्त्वन्यां प्रकृतिं विद्धि मे पराम्।
जीवभूतां महाबाहो ययेदं धार्यते जगत्।।

आत्मनो बिना मनो बुद्धि नैष्क्रियतां प्राप्नुवन्ति।
शरीर आत्मनः प्रवेशे सति सम्पूर्णाङ्गानि सक्रियाणि जायन्ते तदर्थच कार्य प्रारभन्ति।

नाजरीन
बी0ए0 तृतीय वर्ष

मिथ्यायोगो न श्रेयस्करः

अथ खलु त्रय उपस्तम्भाः त्रिविधं बलम् त्रीण्यायत् नानि त्रयो रोगाः रोगमार्गाः त्रिविधा भिषजः त्रिविधमौषधमिति। 'त्रय उपस्तम्भा', 'इत्याहारः स्वप्नो ब्रह्मचर्यमिति एभिस्त्रिभिर्युक्तियुक्तैरूपस्तब्धमुपस्तम्भैः शरीरं बलवर्णोपचयोपचितमनुवर्तते यावदायुः संस्कारात् संस्कारमहितमनुपसेवमानस्य य इहैवोपदेक्ष्यते त्रिविधं बलमीति—'सहजं काजलं, युक्तिकृतं च' सहजं यच्छरीरसत्वयोः 'प्राकृतम् कालकृतमतुविभागजं वयःकृतं च युक्तिकृतं पुनस्तद्यदाहाचेष्टायोगजम्। त्रीण्यायतनानीति अर्थानां कर्मणां कालस्य चातियोगायोगमिथ्यायोगाः। तत्रातिप्रभावतां दृश्यानामतिमात्रदर्शनमतियोगः सर्वशोऽदर्शनमयोगः अतिश्लिष्टातिविप्रकष्टरौद्रभैरवदभुतद्विष्टं वोभत्सविकृतवित्रासनादिरूपदर्शनं मिथ्यायोगः तथाऽतिमात्रस्तनितपटहोत्कुष्टा दीनां शब्दानामतिमात्र श्रवणमतियोगः सर्वशोऽश्रवणमयोगः परूषेष्टविनाशोपद्यातप्रधर्षणभीषणादि शब्दं श्रवणं मिथ्या योगः तथाऽतितीक्ष्णो ग्रभिष्यन्दिनी गन्धार्नामतिमात्रं घ्राणमतियोगः सर्वशोऽघ्राणमयोगः पूतिद्विष्टामेध्य क्लिन्नविषपवनकृणपगन्धादि घ्राणं मिथ्यायोगः तथा रसानामत्या दानमतियोगः सर्वशोऽनादानमयोगः मिथ्यायोगो राशिवज्येष्वाहारविधिविंशषायतनेषूपदेक्ष्यते तथाऽतिशीतोष्णानां स्पृश्यानां स्नानाभ्योड्रोसादनादीनां चात्युपसेवनमतियोगः सर्वशोऽनुपसेवनमयोगः स्नानादीनां शीतोष्णादीनां च स्पृश्यानामानुपूर्व्योपसेवनं विषमस्थानाभिघाताशुचि भूतसंस्परादियश्चेति मिथ्यायोगः। तत्रेकं स्पर्शनेन्द्रियाणामिन्द्रिय व्यापकम् चेतः समवायि स्पर्शनव्याप्तेर्व्यापकमपि च चेत, तस्मात् सर्वेन्द्रियाणां व्यापकस्पर्शकृतो यो भावविशेषः साऽयमनुपशयात् पंचविधस्त्रिविधविकल्पो भवत्यासात्म्येन्द्रियार्थं संयोगः सात्म्यार्थो हह्यु पशयार्थः।

संग्रहेण चातियोगायोगवर्जंकम् वाङ्मनः शरीरजमहितमनुपदिष्टं यतच्च मिथ्यायोग विद्यात्।

अंजली
बी0ए0 तृतीय वर्ष

Academic Achievers

श्री मनोज कुमार तोमर
पी.एचडी. उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थी

श्रीमती गीता सिंह
पी.एचडी. उपाधि प्राप्त करने वाली शोधार्थी

श्री अनुज चौहान
पी.एचडी. उपाधि प्राप्त करने वाले शोधार्थी

कु. सारिका
सर्वाधिक अंक
एम.ए. (राज.विज्ञान)

कु. संगम सैनी
सर्वाधिक अंक
एम.ए. (हिन्दी)

कु. निवेदिता स्वरूप
SRF हिन्दी

कु. नीतू तिवारी
SRF हिन्दी

कु. कृष्णा सैनी
NET June 2025
(राज. वि.)

Sports Achievers

कु. अंशु
Inter Collegiate Cricket and Soft Ball Selection For C.C.S.U.

कु. भारती
Base Ball Selection For C.C.S.U.

कु. माधुरी
Base Ball Selection For C.C.S.U.

Extra Curricular Activities Achievers

कु. बुलबुल सोलंकी
उ.प्र. संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित मण्डलस्तरीय गीत गायन में तृतीय स्थान

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर **कु. प्रज्ञा वशिष्ठ** का चयन स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024 नई दिल्ली के लिए हुआ

कु. शिवानी तोमर व कु. नंदिनी
श्याम लाल सरस्वती महाविद्यालय में आयोजित सांइस एक्सपो 'प्रज्ञान' में सांइस मॉडल Sustainable City Solution में द्वितीय स्थान

कु. जिया
उ.प्र. उच्च शिक्षा निदेशालय व यातायात विभाग द्वारा आयोजित मण्डल स्तरीय चित्रकला में प्रथम स्थान

कु. इरम

कु. गुनगुन कौशिक
श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह पर जनपद स्तरीय एकल काव्य पाठ में प्रथम व तृतीय स्थान

कु. मनिष्का तोमर
ए.के.पी. हापुड़ में आयोजित 'उड़ान' युवा महोत्सव में पोस्टर में द्वितीय स्थान

कु. प्रियंका
ए.के.पी. हापुड़ में आयोजित 'उड़ान' युवा महोत्सव में क्विज में तृतीय स्थान

महाविद्यालय की NSS (Unit-1) की गतिविधियाँ

महाविद्यालय की NSS (Unit-2) की गतिविधियाँ

कौशल विकास कार्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा किये गए MoU

MOU with Sleep Well Foundation

MOU with DBPS College, Anupshahar

MOU with Empower Foundation, Delhi

MOU with DNPG, Gulaothi

MOU with Sun 19 Farms

MOU with IIMT College, Greater Noida

MOU with Sanskrit Bharti

MOU with LNIPE Gwalior (M.P.)

वार्षिक खेल गतिविधियाँ

मीडिया में हमारा कॉलिज

महिलाओं, बालिकाओं के लिए चल रही योजनाओं की दी जानकारी

कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूक किया गया।

खुर्जा, 28 जुलाई (नवोदय टाइम्स): महिला कल्याण विभाग और एकेपी डिग्री कॉलेज की छात्रा शिकायत निवारण समिति के संयुक्त तत्वाधान में महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजपाल सिंह, महिला कल्याण विभाग से रूबी सिरोही, चाइल्ड हेल्पलाइन से अभिषेक यादव, एस आई प्रीति कुमारी, काउंसलर पूनम, काउंसलर नेहा व प्राचार्य प्रो डिंपल विज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की संयोजिका एकता चौहान ने सरकार द्वारा बालिकाओं के लिए चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। एस एच ओ राजपाल सिंह ने पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 के बारे में बताया। रूबी राणा ने वन स्टॉप सेंटर, प्रीति कुमारी ने साइबर अपराध के प्रति जागरूक करते 1930 नंबर और पूनम ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, 181 के बारे में जानकारी दी।

18 छात्राओं ने शुरू किए स्टार्टअप, वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम

बरनदूत संवाददाता। खुर्जा। खुर्जा के एकेपी डिग्री कॉलेज में सिडबी द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट उन्नति के तहत आयोजित वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम का समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की 18 छात्राओं ने अपने-अपने स्टार्टअप शुरू किए। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डिंपल विज ने बताया कि छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कॉलेज ने एंपावर फाउंडेशन के साथ एमओयू साइन किया है।

प्रोग्राम में 90 छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से 75 को प्रशिक्षण के बाद प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इनमें से 18 छात्राओं ने ज्वेलरी, कान्हा जी के वस्त्र निर्माण, सेरेमिक डिजाइनिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, पेंटिंग, फास्ट फूड, टेलरिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में अपने स्टार्टअप शुरू किए।

एंपावर फाउंडेशन के कोर्स कोऑर्डिनेटर विशाल भारद्वाज ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाना है, ताकि वे देश की आर्थिक प्रगति में ...

पेंटिंग के जरिए बताए यातायात के नियम

सड़क सुरक्षा के पोस्टर प्रदर्शित करतीं छात्राएं। संवाद

खुर्जा। एकेपी पीजी कॉलेज में मंगलवार को सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं ने पेंटिंग के माध्यम से संदेश दिए। कॉलेज में सड़क सुरक्षा क्लब की संयोजिका एकता चौहान ने बताया कि सुरक्षित यातायात के लिए लोगों का नियमों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनु आर्या ने बताया कि प्रदेश सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 5.5 प्रतिशत ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। सरकार का उद्देश्य है कि वह जनता को अधिक से अधिक जागरूक करे। प्राध्यापक नीलू सिंह ने छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। संवाद

वाद-विवाद प्रतियोगिता में इरम रहीं प्रथम

वेद मंत्रों के साथ करियर काउंसलिंग की शुरुआत

खुर्जा, संवाददाता। एकेपी डिग्री कॉलेज में कैरियर काउंसिल सेल के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य प्रशिक्षक सूर्याश सिंह और महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डिंपल विज ने संयुक्त रूप से वेद मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम संयोजिका एकता चौहान ने बताया कि यह कार्यशाला छात्राओं को रोजगार संबंधी टाइम्स प्रो एप में पंजीकरण एवं विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। शिक्षक सूर्याश सिंह ने छात्राओं को रोजगार संबंधी टाइम्स प्रो एप क्या है उसके बारे में विस्तृत तरीके से बताया। छात्राओं को इस ऐप में पंजीकरण कराया ताकि इसके माध्यम से वे विभिन्न रोजगार संबंधी सूचनाओं को प्राप्त कर पाएंगी और तकनीकी से संबंधित इंटर्नशिप और रोजगार प्राप्त करने का विस्तृत अवसर प्राप्त कर पाएंगी। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डिंपल विज ने बताया कि कुलपति के निर्देशन में रोजगार संबंधित टाइम्स प्रो एप विश्वविद्यालय में लॉन्च किया गया है। इस ऐप के माध्यम से छात्राओं को आत्म विश्वास से भरे विकल्प चुनने में मदद मिलेगी।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com अपना जनपद

एकेपी डिग्री कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं का किया गया प्रदर्शन, जहांगीराबाद के छात्रों ने स्केटिंग प्रतियोगिता में जीते मेडल

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

खेलकूद

स्केटिंग में छात्रों ने गोल्ड मेडल जीते

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता में इरम रहीं प्रथम

krjnews.in

एकेपी महाविद्यालय खुर्जा में उल्लास महोत्सव में मेले व प्रदर्शनी का शुभारंभ

छात्राओं को किए गए स्मार्टफोन का वितरण

By admin

MAR 4, 2025

खुर्जा। ।भारत पुष्प। मंगलवार को एकेपी डिग्री कॉलेज में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्नातक स्तर की छात्राओं को स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डिंपल विज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की संयोजिका नीलू सिंह ने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं

एकेपी डिग्री कॉलेज की में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

By admin

JUL 14, 2025

खुर्जा। ।भारत पुष्प। सोमवार को एकेपी डिग्री कॉलेज की आईआईसी सेल तथा स्किल सेल के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता प्रो अनुज कुमार रसफोर्ड बिजनेस स्कूल स्वीटजरलैंड, प्रो नीशू आयेदी फाउंडर एंड सीईओ कानफेव 360 डिग्री इंडिया तथा महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डिंपल विज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

एकेपी महाविद्यालय में अंतरिक्ष एवं विज्ञान और तकनीक पर चिंतन कार्यक्रम

No Comments

krjnews

May 24, 2025 | 8:16 pm

खुर्जा। आज ए के पी डिग्री कॉलेज खुर्जा में स्पेस, विज्ञान व तकनीक का समाज को लाभ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो ए सी माथुर विजिटिंग प्रोफेसर इसरो व आईआईटी रुड़की सी जी सी आर आई से डॉ ललित कुमार शर्मा व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डिंपल विज ने सम्मिलित रूप से दीप

FACILITIES IN COLLEGE

NATIONAL SERVICE SCHEME

UNICEF MUSKURAYEGA INDIA CENTRE

ROVERS RANGERS

Road Safety Club
Support | Solution | Safety | Suggestion

INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL
(Ministry of HRD Initiative)
IIC CELL

Skills Development Centre

INDOOR GYM

RECREATION CENTRE

GIRLS COMMON ROOM

24X7 CCTV

LUSH GREEN GARDENS

YOGA CENTRE

DIGITAL LIBRARY

DIVYANG FRIENDLY CAMPUS

OPEN GYM

WiFi
WI FI CAMPUS

CAREER COUNSELLING CELL

PLACEMENT CELL

COMPUTER LAB

FIRST AID
FIRST AID

आर्य कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(सम्बद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

न्यू शिवपुरी, किला रोड, खुरजा - 203131

www.akppgcollegekhurja.in

E-mail : akppgcollege@gmail.com